मेसर्स डी. बी. पॉवर लिमिटेड, द्वारा ग्राम– तराईमार, जिला रायगढ़ के दुर्गापुर II /सरिया कोल ब्लाक, मांड–रायगढ़ कोल फील्ड्स के अंतर्गत खुली खदान (लीज क्षेत्र – 693.326 हेक्टेयर) क्षमता 2 एम.टी.पी.ए. के लिये पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई दिनांक 28.02.2011 का कार्यवाही विवरण

मेसर्स डी. बी. पॉवर लिमिटेड, द्वारा ग्राम– तराईमार, जिला रायगढ़ के दुर्गापुर II /सरिया कोल ब्लाक, मांड–रायगढ़ कोल फील्ड्स के अंतर्गत खुली खदान (लीज क्षेत्र – 693.326 हेक्टेयर) क्षमता 2 एम.टी.पी.ए. के लिये पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई दिनांक 28.02.2011 स्थान – शासकीय प्राथमिक शाला, मेढ़रमार के समीप का मैदान, ग्राम – मेढ़रमार, विकासखण्ड व तहसील धरमजयगढ़, जिला रायगढ़ में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी रायगढ, की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा प्रातः 11.00 बजे लोक सुनवाई की कार्यवाही प्रारंभ की गई। लोक सुनवाई में पुलिस अधीक्षक, रायगढ़ अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ उपस्थित थे। लोक सुनवाई में आसपास के ग्रामवासी तथा रायगढ़ के नागरिकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं ने भाग लिया। सर्वप्रथम क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा ई.आई.ए. नोटिफिकेशन दिनांक 14.09.06 के प्रावधानो की जानकारी दी गयी।

लोक सुनवाई में लगभग 2000 लोगो का जन समुदाय एकत्रित हुआ। उपस्थिति पत्रक पर 16 लोगों ने हस्ताक्षर किये। मौखिक वक्तव्यों को लिपिबद्ध किया गया।

लोक सुनवाई उद्योग प्रतिनिधि के द्वारा परियोजना के प्रस्तुतीकरण से प्रांरभ हुई। सर्वप्रथम उद्योग की ओर से कंपनी प्रतिनिधि श्री माधव मुकुंद ओझा, असिस्टेंट वाईस प्रेसीडेंट, श्री दीप काबरा, सीनियर वाईस प्रेसीडेंट एवं डॉ. रतन, ई. आई. ए. कंसलटेंट द्वारा प्रस्तावित परियोजना के संबंध में किये जाने वाले प्रदूषण नियंत्रण के उपाय, जल की आवश्यकता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्थानीय लोगों को रोजगार, सामुदायिक विकास कार्य आदि के संबंध में जानकारी दी गयी।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा उद्योग प्रतिनिधि को जन सुनवाई के दरम्यान उठायी गई आपत्तियों, टीकाटिप्पणी को नोट करने तथा उन्हें कार्यवाही के अंत में बिन्दुवार स्पष्ट जानकारी देने का निर्देश दिया गया। इसके उपरांत उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणी आमंत्रित की गयी, जिस पर निम्नानुसार 438 व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किये –

सर्वश्री –

1. बिन्दु भोय, सरपंच, बायसी कालोनी, – जनता की राय हमारी राय है। जनता विरोध करती है तो मैं भी विरोध करती हूँ
2. मुदिस्ता बेग, पतरापारा – मैं इस जन सुनवाई का विरोध करती हूँ, क्योंकि खदान से ध्वनि प्रदूषण होगा, यहॉ 100 हाथी विचरण करते हैं, दूसरे जानवर भी हैं, यहॉ अनेक फल के पौधे जैसे आम, जामुन आदि खनन से ये पौधे सूख जायेंगे और जंगल के पशुओं को आहार प्राप्त नहीं होगा मानव , वातावरण पर बुरा प्रभाव पड़ेगा, प्रस्तावित क्षेत्र खेती भूमि है, खदान में 600 फुट तक खुदाई करने से किसान एक बूंद पानी के लिये तरस जायेगा, यहॉ से प्राथमिक स्कूल, हाई स्कूल और छात्रावास स्थित है, उनपर बूरा प्रभाव पड़ेगा, उनके स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा, यहॉ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र है, खनन से यहॉ के लोगों का विकास नहीं विनाष हो जायेगा, तीन किलो मीटर के क्षेत्र में पुरातात्विक क्षेत्र अंबेटिकरा मंदिर और अनेक

मंदिर तथा चर्च हैं, और कब्रिस्तान है उसकी जानकारी ई. आई. ए. रिपोर्ट में नहीं दी गई है। उपरोक्त कारणों से मैं इस जन सुनवाई का घोर विरोध करती हूॅ।

3. स्मृति सोनलता खलखो, पतरापारा – मैं मेसर्स डी. बी. पॉवर का घनघोर विरोध करती हूॅ। यहॉ बफर जोन के अंदर मंदिर मस्जिद, गिरजाघर और अन्य कई गुफाए हैं, जहॉ जाकर हम अपने देवी देवताओं का पूजा करते हैं, खनन से हमारे विशाल वन का विनाश होगा, मानव और पशु जल के बिना नहीं रह सकते हैं, केवल पर्यावरण प्रदूषण ही नहीं होगा, नैतिक और सामाजिक प्रदूषण होगा इसलिये मैं विरोध करती हूॅ।

4. फबियला टोप्पो, पतरापारा – इस कोल ब्लाक के स्थापना पर आपत्ति दर्ज करती हूॅ, इसके कारण छोटे–बड़े जंगलों को काटा जायेगा, हाथियों के रहने का स्थान उनसे छीना जायेगा, जिससे भारी जन हानि होगी, ई. आई. ए. रिपोर्ट में इसकी जानकारी नहीं दी गई है, ई. आई. ए. भ्रामक है, धार्मिक और पुरातात्विक क्षेत्र को ई.आई. ए. रिपोर्ट में नहीं दर्शाया गया हैं, क्षेत्र के आदिवासियों का जीवन अस्त व्यस्त हो जायेगा, कोल ब्लाक के स्थापना से होने वाले उपरोक्त समस्याओं के कारण मैं डी. बी. पॉवर के कोल खदान का विरोध करते हुए आपत्ति दर्ज करती हूॅ।

5. काली, मेंढरमार – कंपनी का विरोध है।

6. रेणु, मेंढरमार – कंपनी नहीं चाहिए, पर्यावरण बचाओ ।

7. रसमती, मेंढरमार – विरोध है कंपनी का।

8. बसंती, मेंढरमार – पर्यावरण बचाईये।

9. अनिमा मंडल, मेंढरमार – जमीन नहीं देंगे।

10. स्वाती देवी, मेंढरमार – कंपनी का विरोध है।

11. अंजना , मेंढरमार – हमें कंपनी नहीं चाहिए, पर्यावरण बचाईये।

12. डी. एस. माल्या, पतरापारा – कल जो बैठक हुआ था, उसमें जो नगर पंचायत क्षेत्र को छोड़ने की बात कही गई थी, क्या यह छोड़ने और लेने का अधिकार कंपनी को है ? क्या माईनिंग क्षेत्र में संशोधन करने का अधिकार है ? कैसे कहा गया है कि 350 या 800 एकड़ जमीन जो धर्मजयगढ़ नगर पंचायत के अंदर है उसे छोड़ देंगे। उसकी जानकारी दी गई है।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा कंपनी प्रतिनिधि को बुलाया गया और पूछा गया कि कैसे वे इस क्षेत्र को छोड़ देंगे ?

कंपनी प्रतिनिधि द्वारा बता गया कि धर्मजयगढ़ नगर पंचायत का कोई भी क्षेत्र नही खरीदा जायेगा और न ही खनन किया जायेगा।

पुनः श्री माल्या, आपने जो ई. आई. ए. रिपोर्ट है उसमें आपने जो जानकारी दी गई है, उसमें पानी के बारे में जो जानकारी दी गई है। उसमें आप स्टोर टैंक बनाना बताया गया है। आपने बताया है 7 एकड़ एरिया ढांगर नाला के बगल में बताया गया है। नगर पंचायत क्षेत्र में जो कार्यवाही प्रस्तावित हैं उसे कहॉ करेंगे ?

उद्योग प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि पानी का पुर्नउपयोग कर लिया जायेगा। जीरो डीस्चार्ज जब उस क्षेत्र को नहीं खरीदा जायेगा तो अन्य क्षेत्र में टेंक बनाया जायेगा। जो भी कार्यवाही धर्मजयगढ़ नगर पंचायत क्षेत्र में प्रस्तावित है उसको अन्य स्थान पर करने हेतु लिखित में दे देंगे।

श्री माल्या कंपनी के द्वारा खदान में खोदने हेतु ब्लास्टिंग करेंगे जो कोर जोन में गांव हैं वे प्रभावित होंगे। ब्लास्टिंग से वहॉ के मकान हिल जायेंगे। मानव, जीव

जंतु और पशु पक्षि पर जो प्रभाव पड़ेंगे उसको कोई नहीं रोक सकता यह तभी रुक सकता है जब कंपनी यहॉ से चला जाये, हमारे क्षेत्र का पानी सूख जायेगा, हमारे कपड़े काली हो जायेंगे, मैंने इस क्षेत्र में 7 पुरातात्विक क्षेत्र के बारे में सर्वे किया है, कंपनी वाले को नही मालूम कि अंबेटिकरा मंदिर के बारे में उसकी जानकारी नही दी गई है। यहॉ चर्च है,मंदिर है, मस्जिद है उसके बारे में नहीं बताया गया है, इस कंपनी के खुलने से हमारे धर्मजयगढ़ क्षेत्र का अस्तित्व मिट जायेगा, कंपनी यहॉ से चला जाये, हमें शान्ति से रहने दें।

13. अधिर माझी, बायसी कालोनी – मैं इतना जानता हूॅ कि डी. बी. पॉवर जो खदान है उसके खुलने से हमारे यहॉ का जल जीवन, जलवायु, हवा पानी, सब कुछ बरबाद हो जायेगा, कंपनी का यह षड़यंत्र है, यहॉ कभी भी ऐसी घटना नहीं घटी है, कंपनी के लोगों के द्वारा हमारे बायसी कालोनी में लाठी डंडा लेकर समर्थन जुटाने गये थे, हमने उसका विरोध किया और पुलिस में रिपोर्ट लिखाने गये तो हमारा रिपोर्ट नहीं लिखा गया , हमने जिन लोगों को विधान सभा, लोक सभा में पहुॅचाया वे लोग हमारे बारे में ध्यान नहीं देते, कंपनी को यहॉ नहीं बैठने देना चाहिए, हमारा जीवन नष्ट हो जायेगा, यहॉ का हाथी, भालू, जंगली जानवर हमको नुकसान पहुॅचाते हैं, वो हमको मंजूर है, यहॉ नरकालो जंगल और अन्य जंगल को काट रहे हैं, जिससे पर्यावरण प्रभावित हो रहा है, आज हमारा रिपोर्ट नहीं लिखा जा रहा है जब कंपनी बैठ जायेगा तो हमको गोली मार दिया जायेगा, कंपनी के खुलने से हमारा पर्यावरण प्रदूषित हो जायेगा, इनकी तुलना अंग्रेज से करते हैं, ये लोग विदेशी शासन से जुड़े हैं, 735 लोगों को रोजगार देने की बात कही गई है। मैं इस कंपनी का विरोध करता हूॅ।

14. ए. सी. खलखो, पतरापारा – मैं डी. बी. पॉवर का विरोध करता हूॅ। मैने भी रिपोर्ट का अध्ययन किया है बहुत सारी जो बाते हैं गलत हैं, बफर जोन में बहुत सारे चीजों को नहीं दर्शाया गया है, हमने स्वयं एतिहासिक स्थलों के बारे में नहीं दर्शाया गया है। खनन से यहॉ पर पर्यावरण पर दूरगामी परिणाम पड़ेगा, डी.बी. सिटी, भोपाल में जाकर व्यापार करे, हमारे धर्मजयगढ़ को छोड़ दें। धर्मजयगढ़ में शान्ति व्यवस्था रहने दें। मैं भरपूर विरोध करता हूॅ।

15. छोटन चंद मंडल, बायसी कालोनी – हम पाकिस्तान से माईग्रेसन करके इण्डिया में आये थे, उस समय हम सरकारी मदद से हमको यहॉ बसाया गया था, आज 2011 का सन चल रहा है, हमको बायसी कालोनी में बसाया गया था, सरकार ने हमको पानी पीने के लिये गिलास और खाना खाने के लिये थाली भी दिया था, आज हम यहॉ काम करके फसल उगाते हैं और अपना जीवन यापन कर रहे हैं, हम अपना जमीन किसी भी कीमत पर बेचेंगे भी नहीं और देंगे भी नहीं, हम सरकार से अनुरोध करते हैं, सरकार हमारे ऊपर ध्यान दे और हम पर कृपा करे।

16. लखन मिस्त्री, मेंढरमार – हम लोग अपना जमीन नहीं देंगे, हमारे जमीन को बचाओ। हम बांग्लादेश से आये थे, सरकार हमको खिला पिला रही है।

17. विनय कुमार पाल, हाथीगढ़ा – हमारा धर्मजयगढ़ का पर्यावरण, यहॉ की वन भूमि, यहॉ की उपजाऊ भूमि और यहॉ का पर्यावरण बहुत ही स्वच्छ है, यह मेरी मातृभूमि है, मैं इसकी रक्षा के लिये जी. तोड़ मेहनत करुंगा, इसके वन में बहुत सारे आंवला, हर्रा, कत्था और बहुत सारे जड़ी बूटी हैं जो मानव के लिये बहुत उपयोगी है। ये जो दलाल और रावण के रुप में उद्योगपति बैठे हैं वे रुपये को खाकर बता दें तो हम अपना जमीन दे देंगे। यहॉ पर सब्जी और अनाज का उत्पादन होता है, इस

अनाज के लिये कंपनी ने क्या तर्क दिया है, क्या शासन यही चाहता है कि पैसा ही सबकुछ है, यहॉ अन्न उत्पादन होता है जो जशपुर, रायगढ़ कोरबा और अन्य जगह में जाता है, यहॉ के पर्यावरण की रक्षा करना हमारा धर्म है, इसलिये इस कोल ब्लाक का मैं विरोध करता हूॅ।

18. चारुबाला, मेंढरमार – जमीन चाहिए, हम अपना जमीन नहीं देंगे।
19. संध्या मंडल, मेंढरमार –हम जमीन नहीं देना चाहते।
20. भानू, मेंढरमार – हम अपना जमीन नहीं देंगे।
21. सुमित्रा सरकार, मेंढरमार – हम अपना जमीन नहीं देना चाहते, कंपनी यहॉ से चली जाये।
22. विशाखा मंडल, मेंढरमार –हम अपना जमीन नहीं देना चाहते ।
23. देवी मंडल, मेंढरमार – हम जमीन नहीं देंगे।
24. सृष्टि मंडल, मेंढरमार – हम अपना जमीन नही देंगे।
25. सरस्वती, मेंढरमार कालोनी – जमीन नहीं देना चाहते ।
26. कृष्णा विश्वास, मेंढरमार – जमीन नहीं देना चाहते ।
27. झरना सरकार, मेंढरमार कालोनी – हम अपना जमीन नहीं देना चाहते ।
28. बसंती प्रधान, मेंढरमार – मैं डी. बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ, हमने पढ़ा है छ.ग. धान का कटोरा है वह कोयले का ढेर बन जायेगा, मैं कंपनी का विरोध करती हूॅ।
29. हेलेना कुजूर, पतरापारा – मैं डी. बी. पॉवर को भगाना चाहती हूॅ, मैं कंपनी का विरोध करती हूॅ।
30. मटिल्दा तिर्की, पतरापारा– कोयला खदान के कारण जमीन का जल स्तर नीचे चला जायेगा, जिससे बहुत समस्या होगा, इसलिये कंपनी का विरोध करती हूॅ।
31. सारंगी, मिंज, पतरापारा – मैं इस कंपनी का पूरा विरोध करती हूॅ। कोयला उत्खनन के लिये छोटे–बड़े जंगलों को काटा जायेगा, जिससे हाथी और अन्य जीव प्रभावित होंगे, इससे शहर वालो को भारी क्षति होगी, कंपनी के ई. आई. ए. में हाथी का न होना बताया गया है। इसलिये मैं विरोध करती हूॅ।
32. उर्मिला लकड़ा, पतरापारा – मैं इस डी. बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ, यहॉ खनन से धार्मिक और पुरातात्विक क्षेत्र पर प्रभाव पड़ेगा। धर्मजयगढ़ पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।
33. मर्यानुस एक्का, पतरापारा – डी. बी. पॉवर के द्वारा अगर यहॉ खदान खोला जायेगा तो जल, जंगल, और पानी प्रदूषित हो जायेगा, इसलिये मैं इसका विरोध करता हूॅ, यदि यहॉ 140 फीट से कोयला खोदाना चालू होगा और 600 फीट तक खोदा जायेगा तो हमारा जो कुंआ जहॉ 20–40 फीट में पानी आता है वह सूख जायेगा, इस प्रकार हम पानी प्यास से मर जायेंगे इसलिये मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।
34. रंजीत केरकेट्टा, पतरापारा – मेसर्स डी. बी. पॉवर के पर्यावरणीय स्वीकृति का मैं विरोध करता हूॅ, ग्राम सुराज के तहत् हमें यह नारा दिया गया था, कि जल, जंगल जमीन आपका है, तो आज यह डी. बी. पॉवर कहॉ से आ गया जो हमसे जमीन को छीन रहा है। यहॉ अनेक प्रकार के जीव जंतु निवास करते हैं, ये सारे जीव जंतु के लिये पानी कहॉ से आयेगा, यहॉ रहने वाले मुनष्य और जीव जंतुओं के लिये सोचने की बात है। सब लोग खुश रहें, और हंसते रहें, कंपनी के आने से जो चिंता हो रही है, यह जल, जंगल, जमीन हमारा है हम इसको नहीं देंगे, मैं विरोध करता हूॅ।
35. प्रवीण श्रीवास्तव, धर्मजयगढ़ – कल की मीटिंग में सभी लोगों ने यह कहा था, कि जन सुनवाई शान्ति पूर्ण माहौल में होगा,फिर वे बाहर से लोगों को ट्रक में भरकर यहॉ से क्यों लाये हैं ? हमारे एस. पी. महोदय कह रहे हैं कि रायगढ़ जिले का

कोई भी आदमी आ सकता है, उनके पास कोई आई कार्ड है, जब जिंदल आया था तो छोटे जगह में था,आज रायगढ़ को छू रहा है, आज ये कंपनी के लोग यहॉ काम कर रहे हैं, कल कहीं और चले जायेंगे, तो फिर उस कागज का क्या महत्व रहेगा ? जो इन्होंने लिख कर दिया है, दो चार जूते और मेडिकल कैंप लगाकर लोगों को खरीदना चाहते हैं, बाहर से लोग बुलाकर समर्थन करवाया जा रहा है मैं इसका विरोध करता हूँ।

36. प्रदीप तिग्गा, धर्मजयगढ़ – जो ई. आई. ए. रिपोर्ट है उसमें बहुत सारी गलती है, जो 350 हेक्टेयर छोड़ने की बात है , उसको इसमें सुधार नहीं सकते थे, यहॉ के लोग बहुत शान्ति से जी रहे थे, यहॉ अशान्ति फैलाने आ गये हैं, आज ये जूता, चप्पल और थैला बांट रहे हैं, क्या यह गलत नहीं है, बाद में भी तो बांट सकते थे। मैं डी. बी. पॉवर का विरोध करता हूँ, क्योंकि यहॉ जल, ध्वनि, मृदा और वायु प्रदूषण होगा, लोगों की दीवार में दरार हो जायेंगे। पेड़ पौधे, जंगल और मानव जाति के रक्षा के लिये मैं डी. बी. पॉवर का विरोध करता हूँ।

37. बेनेडिक टोप्पो, पतरापारा – डी बी पॉवर के जो कोयला उत्खनन के लिये जो जन सुनवाई हो रहा है मैं इस जन सुनवाई का विरोध करता हूँ। आज यहॉ जन सुनवाई हो रहा है आज जितने भी कोयला खदान से उठेंगे क्या वो इसको रोक सकेंगे अगर नहीं रोक सकते तो यथा शीघ्र वापस चले जायें । जब भोपाल में यूनियन कार्बाइट गैस लीकेज हुआ था तो हवा को रोक नहीं पाये यहॉ भी हवा को रोक नहीं पायेंगे। हमारे जीवन से खिलवाड़ नहीं किया जाये, जैसे ही यहॉ 600–700 फूट खोदा जायेगा तो हमें पानी नहीं मिलेगा, कितना बिजली का उत्पादन छ.ग. में किया जायेगा। यहॉ पर हाथी रहते हैं, उसकी जानकारी नहीं दी गई है। हाथी के द्वारा कितने घरों को गिराते देखा हूँ। यहॉ पर प्रदूषण होगा उसको कोई नहीं रोक सकेगा। यहॉ जो भी विस्फोट होगा उसको हमको भुगतना पड़ेगा, यहॉ कितने शिक्षित लोग हैं उसको भी छिपाया गया है, यहॉ पर धार्मिक स्थल, पुरातात्विक स्थल है उसके बारे में नहीं बताया गया है। हम आपको नहीं चाहते आप यहॉ से चले जाइये।

38. अन्ना मिंज, धर्मजयगढ़ – मैं इनका विरोध करती हूँ क्योंकि प्रदूषण होगा, स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा, निवास करने वाले जीव जंतु नष्ट हो जायेंगे, हमारे ऊपर ही नही पूरे धर्मजयगढ़ पर इसका प्रभाव पड़ेगा इसलिये मैं इनका विरोध करती हूँ।

39. फिलोनिमा, भेंगरा, पतरापारा – यहॉ खनन करने से स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा, यहॉ स्वास्थ्य केन्द्र है जहां लोग ईलाज करवा रहे हैं, धार्मिक और पुरातात्विक स्थल पर प्रभाव पड़ेगा इसलिये मैं इसका विरोध करती हूँ।

40. स्वर्णलता खलाखो, बेहरापारा – कोयला खनन से सम्पूर्ण धर्मजयगढ़ पर प्रभाव पड़ेगा, पर्यावरण पर प्रभाव पड़ेगा, लोगों के स्वास्थ्य को बचाने के लिये जन सुनवाई को निरस्त किया जाये।

41. अस्वनी एक्का, बेहरापारा – मैं डी. बी. पावर का विरोध करती हूँ।

42. कु. किर्ति विद्या कुजूर, बेहरापारा – मैं कंपनी का विरोध करती हूँ।

43. आभा एक्का, वार्ड क्र. 9, धर्मजयगढ़ – मैं इस कंपनी के मालिक का नाम जानना चाहती हूँ। जो मैनेजर है वे अपने मालिक को बोल दें कि हम जमीन को नहीं देंगे, जब हमारा घर टूट जायेगा तो कैमरा लेकर आयेंगे क्या ? हमारे धर्मजयगढ़ में स्कूल है, चर्च है, मंदिर है मस्जिद है उसके बारे में नही सोचा है हमारे बच्चे कहॉ पढ़ने जायेंगे ? कंपनी के लोग कहते हैं कि यहॉ पढे–लिखे नहीं है बाहर के लोगों

को काम करने लायेंगे। हम कंपनी से विनम्र अनुरोध करते हैं कि वे वापस चले जायें , हम एक एकड़ भी जमीन नहीं देंगे। वो कहते हैं हमे पैर रखने के लिये जमीन दे दो, हमारी जमीन है हम क्यों उनको देंगे। गांधी जी ने कहा है जियो और जीने दो।

44. किशोरी कुजूर, पतरापारा – डी. बी. पॉवर का मैं विरोध करती हूॅ। क्योंकि इससे प्रदूषण होगा, हमारे शरीर में परिवर्तन हो जायेगा इसलिये मैं विरोध करती हूॅ।
45. लिलि एक्का, पतरापारा – धर्मजयगढ़ का वातावरण, गिरिजाघर, मंदिर प्रदूषित हो जायेगे मैं इसका विरोध करती हूॅ।
46. कांति मिंज, पतरापारा – मैं यहॉ के लोक सुनवाई का विरोध करती हूॅ, यहॉ स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्कूल है, उन पर बुरा प्रभाव पड़ेगा, स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा, स्वाथ्य केन्द्र में हजारों लोग ईलाज करा रहे हैं, पुरातात्विक क्षेत्र अंबेटिकरा और ईसाईयों का विशाल चर्च है, उस पर प्रभाव पड़ेगा, नगर पंचायत में ईसाईयों और मुसलमानों का कब्रीस्तान है. ई. आई. ए. में उसको नहीं बताया गया है, इसपर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा।
47. प्रसन्न कुजूर, धर्मजयगढ़ – यहॉ पर स्थित, मंदिर, गिरीजाघर और मस्जिद हैं, उस पर बुरा प्रभाव पड़ेगा, इसलिये इस कोयला खदान का विरोध करती हूॅ।
48. अनुरजनी खलखो, पतरपारा – लोक सुनवाई का विरोध कर आपत्ति दर्ज करती हूॅ।, खनन से ध्वनि प्रदूषण होगा, यहॉ के स्कूल हैं जहॉ बहुत सारे विद्यार्थी पढ़ते हैं उन पर बुरा प्रभाव पड़ेगा, इसलिये इसका विरोध करती हूॅ।
49. विरांजो तिर्की, धर्मजयगढ़ – मैं यहॉ के लोक सुनवाई का विरोध करती हूॅ, यहॉ स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्कूल है, उन पर बुरा प्रभाव पड़ेगा, स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा, स्वाथ्य केन्द्र में हजारों लोग ईलाज करा रहे हैं, पुरातात्विक क्षेत्र अंबेटिकरा और ईसाईयों का विशाल चर्च है, उस पर प्रभाव पड़ेगा, नगर पंचायत में ईसाईयों और मुसलमानों का कब्रीस्तान है। खनन से प्रदूषण होगा।
50. रेजिना लकड़ा, पतरापारा – खनन के कारण पर्यावरण प्रदूषण होगा, ध्वनि, जल और वायु प्रदूषण होगा इसलिये मैं कंपनी का विरोध करती हूॅ।
51. संध्या बसक, मेंढरमार – जमीन नहीं देंगे।
52. सविता कुजूर, पतरापारा – डी. बी. पॉवर ग्रुप का विरोध करती हूॅ, पर्यावरण प्रदूषण होगा, और लोगों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा, इसलिये विरोध करती हूॅ।
53. अलमा कुजूर, पतरापारा – डी. बी. पॉवर ग्रुप का विरोध करती हूॅ, पर्यावरण प्रदूषण होगा, और लोगों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा, इसलिये विरोध करती हूॅ।
54. प्रफुल्ला कुजूर, पतरापारा – मैं जन सुनवाई पर आपत्ति दर्ज करती हूॅ, क्योकि स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा, सम्पूर्ण धर्मजयगढ़ पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा।इसलिये विरोध करती हूॅ।
55. सेलिन लकड़ा, बेहरापारा – डी. बी. पॉवर ग्रुप का विरोध करती हूॅ, पर्यावरण प्रदूषण होगा, और लोगों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा, इसलिये विरोध करती हूॅ।
56. लेखा कुजूर, पतरापारा – मैं डी. बी. पॉवर ग्रुप का विरोध करती हूॅ, पर्यावरण प्रदूषण होगा, और लोगों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा, इसलिये विरोध करती हूॅ।
57. सीपीएम, कुजूर, पतरापारा – डी. बी. पॉवर लिमिटेड के स्थापना का मैं विरोध करता हूॅ, मानव जीवन पर्यावरण के कारण सुरक्षित है, ये लोग यहॉ खनन करेंगे, यहॉ, जो हाथी, शेर है, उनके स्वतंत्र जीवन पर प्रभाव पड़ेगा, हम कंपनी नही चाहते यह कंपनी वापस जाये। कंपनी वायु प्रदूषण को नहीं रोक पायेगा, मानव अस्तित्व

समाप्त हो जायेगा, क्या ये लोग मशीन के द्वारा हवा उत्पन्न करके जी रहा है, पर्यावरण से हवा उत्पन्न होता है।

58. प्रदीप कुजूर, धर्मजयगढ़ – मैं. डी. बी. कंपनी का विरोध करता हूँ, कंपनी के आने से वायु प्रदूषण और धार्मिक स्थल प्रभावित होंगे, कंपनी के आने से विकास नहीं होगा, विनाश होगा।

59. सुधीर बड़ा, पतरापारा – हम आदिवासी हैं और यह धर्मजयगढ़ क्षेत्र आदिवासी बाहुल क्षेत्र है, जल, जंगल जमीन पर आदिवासियों का अधिकार है, डी. बी. पॉवर के आने से स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा, धार्मिक जीवन और सामाजिक जीवन प्रभावित होगा, ई. आई. ए. रिपोर्ट में गलत जानकारी दी गई है। यहॉ चर्च मंदिर, मस्जिद के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए थी, आप के आने से जब यहॉ इतना उथल–पुथल हो रहा है जब आप आ जायेंगे तो क्या होगा।

60. जगत तिर्की , पतरापारा – इस डी.बी. पॉवर का आपत्ति दर्ज करता हूँ। प्रदूषण बढ़ेगा । ऐतिहासिक धार्मिक स्थल प्रभावित होगा।

61. आकाश तिग्गा , बेहरापारा – विरोध कर आापत्ति दर्ज करता हूँ।

62. लोकेन्द्र चौहान , बेहरापारा – पूरा धर्मजयगढ़ प्रभावित होगा । आपत्ति को पढ़ के सुनाया गया ।

63. रोहित तिर्की, बेहरापारा – ऐतिहासिक धार्मिक पुरातात्विक स्थल प्रभावित होगा।

64. अनुप प्रधान, पतरापारा – मेसर्स डी.बी.पावर का विरोध करता हूँ। क्योकि जल जमीन प्रभावित होगा।

65. अनील मधु, बायसी कॉलोनी – विरोध करता हूॅ।

66. इन्दु, पत्रकार, धर्मजयगढ़ – इस डी.बी. पॉवर के कोल उत्खनन से 14432 पेड़ काटे जायेंगे, 7775 छोटे पेड़ काटे जायेंगे, 365 हाथी,, 890 लकड़बघा, 970 हिरण, 2927 लोमड़ी, 3228 नेवले, 1890 गोहे, 157 बंदर, 1658 जंगली सुअर, 27895 गिलहरी सहित अनेक जानवरों की हत्या कर दी जायेगी, सांप के प्रजाती भी मारे जायेंगे, इनके कोल उत्खनन से हजारो गाड़ियॉ चलेंगे डीजल के जलने से वायु प्रदूषण होगा, आंखों और हृदय के रोग होंगे, जल प्रदूषण से लोगों में डायरिया, पेचिस जैसे अनेक रोग होंगे, जब 600 फीट की गहराई से कोयला निकालेंगे, तो यहॉ के कुएं और बोर सूख जायेंगे तो पीने का पानी कहॉ से आयेगा ? इस अंचल से डी. बी को भगाने में ही मानवता है। पुरखो के कब्र जो आपने पीढ़ियों से बनाये हैं उनको ये उखाड़ देंगे। अन्य राज्य के अपराधी यहॉ आयेंगे, जो चोरी, डकैती और बलात्कार करेंगे, ये आपके बच्चों को अपहरण कर करोड़ों की फिरौती मांगेगे, ये अंग्रेजों के वंशज हैं। धर्मजयगढ़ में शान्ति बने रहे डी. बी. नही ंचाहिए। हर व्यक्ति इसका विरोध करे। धर्मजयगढ़ का प्रसिद्ध चर्च, हमारे मुसलमान भाईयों का जो मस्जिद हैं, उनको तोड़ दिया जायेगा, सारे वार्ड को उखाड़ कर फेंक दिया जायेगा। धर्मजयगढ़ का अस्तित्व को समाप्त करने ये डी. बी. पॉवर वाले आये हैं, आपने 800 एकड़ छोड़ेंगे तो क्या 1000 एकड़ में जरे 69 मिलियन टन निकालने की बात है वह निकाल पायेंगे क्या ? आज कहते हैं कि गंदा पानी स्टोर नहीं करेंगे तो क्या उस पानी को बोतल में भरकर भोपाल भेंजेंगे। क्या डस्ट को पैकेट में भरकर भेजेंगे।

67. भगई सिंह, मेंढरमार – कंपनी को जमीन नहीं देना चाहते हैं।

68. सुन्दर बड़ा, पतरापारा – मैं डी. बी. पॉवर का विरोध करता हूॅ और कहता हूॅ कि वे यहॉ पर अपना अड्डा न जमायें।

69. जुलेता किस्पोटा, पतरापारा – पर्यावरण बचाओ, डी. बी. पॉवर को घोर विरोध करती हूॅ।
70. इमिल्या तिर्की, बेहरापारा – डी. बी. पॉवर लिमिटेड के लोक सुनवाई का विरोध कर आपत्ति दर्ज करती हूॅ, प्रदूषण बढ़ेगा, स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा, पुरातात्विक क्षेत्र पर प्रभाव पड़ेगा, प्रदूषण के कारण जीने में परेशानी होगी, सांस लेने में परेशानी होगी, इसलिये डी. बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
71. बसंती कुजूर, पतरापारा – डी. बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
72. शीला खलखो, पतरापारा – डी. बी. पॉवर का घोर विरोध करती हूॅ। डी.बी. पॉवर को यहॉ अड्डा न दिया जाये, प्रदूषण बढ़ेगा।
73. कमला एक्का, पतरापारा – मैं डी. बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ, क्योंकि विभिन्न प्रकार का प्रदूषण होगा, लोगों की जीवन प्रभावित होगा।
74. इमिल्या टोप्पो, पतरापारा – डी. बी. पॉवर का जो जन सुनवाई हो रहा है उसका विरोध करती हूॅ, सब को मालूम है कि इस उत्खनन से मानव जीवन के स्वास्थ्य पर बहुत विपत्ति होगा। आज लोग जानबूझकर सीधी–साधी जनता से आप लोग परिचित नहीं है, यहॉ जनता पर्यावरण में बहुत आनंद से रहती है, आप लोगों के आने से उदासी आयी है, उनका दर्द बढ़ा है, महिला भी पुरुषों के सामान आगे आकर अपना दर्द बता सकते हैं, यहॉ कंपनी के द्वारा कहा जा रहा है कि पेड़ लगायेंगे क्या एक महीने में पेड़ बन जायेंगे आप पर्यावरण नहीं बना सकते, आप अस्पताल बनायेगे कहते हैं, इन अस्पतालों के बनने में कितने साल लगे हैं, तो ये कितने दिन में बनेंगे। प्रलोभन दे रहे हैं, जूता, चप्पल बांट रहे हैं, पैसा दे रहे हैं, फिर हम आप पर कैसे विश्वास करेंगे। यहॉ के जनता सीधी है, लड़ाई झगड़ा नहीं करना जानते। आप लोग हमको भ्रम में डाल रहे हैं, इसलिये मैं डी. बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ, जियो और सबको जीने दो। आप लोग यहॉ से चले जायेंगे तो हमको शान्ति मिलेगी। हम लोग आनंद से जी रहे हैं। भाईयों आप लोग प्रलोभन में न आयें। मैं इसका घोर विरोध करती हूॅ।
75. किसकिना तिर्की, धर्मजयगढ़ – आबंटित कोल ब्लाक का विरोध करती हूॅ। क्योंकि पर्यावरण पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा।
76. विणा विश्वास, बीडीसी, जनपद पंचायत, धर्मजयगढ़ – जिस ई. आई. ए. के आधार पर जन सुनवाई हो रही है वह भ्रामक है, तथ्यों को छुपाया गया है, इसलिये जन सुनवाई को निरस्त किया जाये, कोल ब्लाक के खुलने से ध्वनि, जल, एवं वायु प्रदूषण होगा, नगर पंचायत को छोड़ा जाना बताया गया है तो क्या ग्राम पंचायत में लोग निवास नहीं करते उसे भी छोड़ा जाये। खेती योग्य भूमि बंजर हो जायेगा, इसलिये मैं मांग करती हूॅ कि इस उद्योग को पर्यावरणीय स्वीकृति न दी जाये।
77. अंकिता तिग्गा, पतरापारा – मैं इस डी. बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ, क्योंकि इसके खुलने से पर्यावरण को प्रभाव पड़ेगा और धार्मिक स्थल नष्ट हो जायेगा।
78. अंजली तिर्की, पतरापारा – मैं डी. बी. कंपनी का विरोध करती हूॅ। स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा, लोग बीमार पड़ेंगे।
79. तारा खलखो, पतरापारा – मैं डी. बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ, क्योंकि धार्मिक स्थल पर प्रभाव पड़ेगा।
80. कमला लकड़ा, पतरापारा – मैं डी. बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ, क्योंकि धार्मिक स्थल पर प्रभाव पड़ेगा।

81. रामवति, पतरापारा – मैं डी. बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ, क्योंकि धार्मिक स्थल पर प्रभाव पड़ेगा।
82. पियुस मिंज, पतरापारा – मै. कंम्पनी का विरोध करता हूॅ। धार्मिक स्थलों पर प्रभाव पड़ेगा इस कारण विरोध करता हूॅ।
83. राकेश कुमार तिर्की, धरमजयगढ़ – लोकसुनवाई का विरोध करता हूॅ। धार्मिक तथा ऐतिहासिक स्थलों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।
84. नितिन लकड़ा, पतरापारा – डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
85. सुरज तिर्की , पतरापारा – डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
86. अरविंद एक्का, पतरापारा – डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
87. रोहित तिर्की, नया पतरापारा – यहां खनन से ध्वनि प्रदूषण होगा , डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
88. अनुरंजन एक्का, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ। जब हमसे विश्वासघात करता है, हमारे धर्मजयगढ़ में बहुत सारे पेड़ हैं उनके बारे में नहीं बताया गया है, जबकि वे पेड़ यहॉ हैं।
89. फ्रांसीस एक्का, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ और आपत्ति दर्ज करता हॅ, खनन से ध्वनि प्रदूषण होगा, स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।
90. गनायुस एक्का, पतरापारा – डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
91. उमेश सिंह, पतरापारा – मैं डी. बी. ग्रुप का विरोध करता हूॅ।
92. पंकज तिग्गा, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का घोर विरोध करता हूॅ।
93. सुलेमान बरवा, पतरापारा – डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ। समस्त पर्यावरण पर प्रदूषण होगा।
94. रघुवीर प्रधान, एकता परिषद, रायगढ़ – कल जो त्रिपक्षीय वार्ता है उसमें जो बातें हुई है, उसके आधार पर पुनः ई. आई. ए. बनना है फिर से जन सुनवाई करवाया जायेगा तो फिर इस जन सुनवाई का क्या महत्व है ? धर्मजयगढ़ एरिया में ही 19 मिलियन टन सी ग्रेड का कोयला है, तो फिर उस क्षेत्र को कैसे छोड़ा जायेगा। अगली बार जन सुनवाई से पहले जो स्वीकृति देते हैं उनके प्रतिनिधि यहॉ आयें और यहॉ की स्थिति देखें। हम राईटिंग में भी लिख कर जमा कर रहे हैं हमें पता है कि उस पर विचार नहीं किया जायेगा, यहॉ और 23 माईन आने वाले हैं उसके बारे में ई. आई. ए. में जानकारी नहीं दिया गया है।
95. माईकल एक्का, धर्मजयगढ़ – मेसर्स डी. बी. पॉवर कोल ब्लाक के लोक सुनवाई का विरोध कर आपत्ति दर्ज करता हूॅ क्योंकि इससे ध्वनि प्रदूषण होगा, पुरातात्विक क्षेत्र प्रभावित होगा, और धर्मजयगढ़ पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा।
96. अजय एक्का, पतरापारा– मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
97. अजय टोप्पो, पतरापारा – डी.बी. पावर का घोर विरोध करता हूॅ।
98. जलसाय तिर्की, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का घोर विरोध करता हूॅ।
99. अनिस एक्का, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का घनघोर विरोध करता हूॅ।
100. जेनेदियुस लकड़ा, पतरापारा – डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
101. विश्वनाथ, पतरापारा – डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
102. सामवेल कुजूर, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
103. डी. के. एक्का, संतोष नगर, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।

104. एक्रेम मिंज,संतोष नगर, धर्मजयगढ़ – डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ। क्योंकि जब हम खदान की बात करते हैं तो पर्यावरण से खिलवाड़ करते हैं, हम पर्यावरण को बिगाड़ कर जी नहीं सकते। इसलिये मैं इसका विरोध करता हूॅ।
105. रिंमजुमूस, तिर्की, लक्ष्मीपुर – ये जितने भी घर है कच्चे है लकड़ी से बने हैं, कंपनी के बनने से कोयले के घर बनाये जायेंगे। पर्यावरण प्रदूषण के कारण हमारे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा, इसलिये मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
106. दिनेश खलखो, पतरापारा – डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
107. अभय कुमार कुजूर, पतरापारा – डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
108. निलेश केरकेट्टा, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
109. राजू अग्रवाल, धर्मजयगढ़ – डी. बी. पॉवर के आने से धर्मजयगढ़ को नुकसान होगा इसलिये मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
110. त्रिलोक सोनी, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
111. ठाकुर राय, मेंढरमार कालोनी – कंपनी का विरोध करता हूॅ।
112. सेमिना लकड़ा, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ क्योंकि जब ट्रक चलेंगे तो प्रदूषण होगा, हमारी पढ़ाई में व्यवधान होगा।
113. पारुल मंडल, मेंढरमार – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
114. नील कुसूम, किस्पोट्टा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ क्योंकि हमारे पुरातात्विक तत्वों को हानि होगी, प्रदूषण होगा।
115. मुक्तिलता एक्का, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
116. प्रिजिट कुल्लू, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ। क्योंकि पर्यावरण प्रदूषण होगा, और स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।
117. नयनतार, मेंढरमार – जमीन नहीं देंगे।
118. नीला, मेंढरमार – कंपनी नहीं चाहिए।
119. रीनाराय, हाथीगड़ा – कंपनी को जमीन नहीं देंगे।
120. जलीमा, मेंढरमार – हमलोग जमीन नहीं देंगे।
121. फिरदा तिर्की, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
122. सावित्री मंडल, मेंढरमार – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ। मेरे बाल बच्चों के लिये जमीन नहीं बचेगा।
123. सविता रानी मंडल, मेंढरमार – जब हमारे बच्चे छोटे थे, तो कंपनी ने हमको सहारा नहीं दिया आज हमने बहुत मेहनत करके जमीन बनाया है। हम अपना जमीन नहीं देंगे।
124. सविता हलधर, मेंढरमार – हम जमीन नहीं देंगे।
125. मंजू राय, मेंढरमार – जमीन नहीं देंगे।
126. पीला बाई, बेहरापारा – अपना जमीन को नहीं छोड़ेंगे।
127. शनिमति, बीजापथरा – हम जमीन नहीं देंगे।, हमारे छोटे बच्चे हैं हम कहॉ जायेंगे?
128. विमला, बेहरापारा – जमीन नहीं देंगे।
129. पंचो बाई, बीजापतरापारा – हम जमीन नहीं देंगे, हम सोना चांदी नहीं खाते, हम अपने बच्चों को कहॉ लेकर जायेंगें ?
130. धनकुंवर, बीजापतरा – हम जमीन नहीं देंगे।
131. जलेबी बाई एक्का, बेहरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ। क्योंकि इसका पर्यावरण पर प्रभाव पड़ेगा।

132. अगुतीना कुजूर, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ। क्योंकि इसके आने से पर्यावरण में भारी प्रदूषण होगा।
133. पुतजी बाई, संतोष नगर – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ। क्योंकि यहॉ का पर्यावरण बरबाद नहीं करना है। हमारे पास जो आम, नींबू, महुआ के पेड़ हैं, उनका क्या देंगे, हमारे बच्चे उससे जीयेंगे, खायेंगे क्या वह पर्यावरण बनायेंगे, बैट, बाल दे रहे हैं लेकिन क्रिकेट कहॉ खेलेंगे जब जमीन को ले रहें हैं, क्या हम अपने बच्चों को चप्पल खरीद कर नहीं दे सकते, दूध मांगोगे खीर देंगे, धर्मजयगढ़ मांगोगे, चीर देंगे।
134. अमिता तिर्की, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ। क्योंकि प्रदूषण होगा, ऐतिहासिक महत्व के स्थल पर प्रभाव पड़ेगा।
135. फूलजिसिया सीमा, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
136. मयंक कुमार टोप्पो, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ। खदान के आने से प्रदूषण होगा, जिससे हमारे जीवन पर प्रभाव पड़ेगा, इससे धर्मजयगढ़ पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा।
137. सतीश लकड़ा, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ। धर्मजयगढ़ के माहौल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
138. संतोष कुमार, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
139. विवेक कुजूर, बेहरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ। क्योंकि इससे पर्यावरण पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। अगर हम खेती नहीं करेंगे तो क्या कोयला खायेंगे?
140. संयज कुजूर, पतरापारा – जब यहॉ कोयला खोदा जायेगा तो हमारा बहुत नुकसान होगा, हमारे पूर्वज इस जमीन को उपजाऊ बनाकर उस पर खेती करते आये हैं, यहॉ पर खनन करने से यहॉ कुछ भी नहीं होगा।
141. कमल मंडल, मेंढरमार – मैं डी.बी. पावर का घोर विरोध करता हूॅ। कुछ बच्चों को भगा दिया गया क्या वे लोग अपने हक के लिये नहीं लड़ सकते ? स्कूल टूट जायेगा, उनका शिक्षा छूट जायेगी और वे बेकार हो जायेंगे। तो उनके बारे में नहीं सोचा जा रहा है। मैं इस कंपनी का घोर विरोध करता हूॅ
142. विश्वानाथ डनसेना, पतरापारा – कंपनी के खुलने से यहॉ वायु प्रदूषण होगा, अंबेटिकरा और गिरजाघर को यहॉ के नक्शा से मिटाया जा रहा है। इसका मैं विरोध करता हूॅ और पर्यावरण को समाप्त होने से बचाने के लिये महोदय से निवेदन करता हूॅ।
143. विजय कुमार, बायसी कालोनी – अगर डी. बी. कंपनी आती है तो हमारे जल, जंगल, जमीन नष्ट हो जायेगा। कंपनी कहती है कि विकास होगा, वह विकास ही क्या , जिससे प्रदूषण हो।
144. त्रिलोचन प्रधान, दरोड़ी – डी बी पॉवर को यहॉ आने नही देना चाहिए, सरकार से निवेदन है।
145. मोहित राम, कोधा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
146. महेन्द्र सिंह, कोधा – हमारा जंगल बहुत बड़ा है, उसमें कितने जीव–जंतु हैं, कितने लोग हैं, उसको देख कर आयें । एक लकड़ी काटने पर केस बनाता है और इतना बड़ा जंगल जब कंपनी काटेगा तो सरकार क्या करेगी। हमारे 17–18 गांव को निकालना चाहता है। सरकार उसको रोक नहीं सकता है।
147. अनिल राय, मेंढरमार – हम अपने जमीन को नहीं देना चाहते हैं।

148. सृजल कुमार, बायसी कालोनी – ई. आई. ए. रिपोर्ट को जो खुलासा हुआ है। दो दिन पहले हमारे गांव के किसान के 60 एकड़ के फसल को हाथी ने नुकसान पहुॅचाया है। हमारे जो रमन सरकार है वो 2656 करोड़ खेती के लिये बजट में लाये हैं। हम नहीं चाहते हमारे किसान शहीद हो जाये। मैं डी. बी. पॉवर का विरोध करता हूॅ।
149. फ्रांसिक्का कुजूर, धर्मजयगढ़ – मैं कंपनी को भगाना चाहता हूॅ क्योकि जो बच्चे हैं उनको झूठ बोलकर ये यहॉ बस रहे हैं, अगर कंपनी भगा देगा तो बच्चे कहॉ खेलेंगे। कंपनी को भगा दीजिये कंपनी का विरोध करती हूॅ।
150. अनस्तिसिय कुजूर, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
151. पारुल, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
152. रुबी विश्वास, मेंढरमार – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
153. अश्वनी घोष मेंढरमार – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
154. लेबूरानी मंडल, बायसी कालोनी – जमीन नहीं देना चाहते है।
155. मीरा बाई, क्रोधा – जमीन नहीं देना चाहते है।
156. मनियारो बाई, क्रोंधा – हमारा जमीन खराब हो जायेगा, हम जमीन नहीं देना चाहते।
157. रेजिना कौशिक – मंदिर मस्जिद नष्ट हो जायेंगे,हम अपना हक मांगते हैं, मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
158. फूल बाई, क्रोंधा – हमारा जमीन बचाओ, हम जमीन नहीं देना चाहते हैं।
159. कुसंती, क्रोधा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
160. लुनिया कुजूर, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ। क्योंकि इससे प्रदूषण होगा।
161. अन्सुमाला किन्डो, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
162. रविन्द्र मंडल, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ। क्योंकि इनको जो जमीन आबंटित की गई है, वो खेती युक्त उपजाऊ जमीन है, उसमें साल भर साग सब्जी होते हैं, यहॉ के किसान, उस पर खेती कर अपना जीवन अच्छे से बिता रहे हैं, यहॉ हर साल करोड़ो रुपये का तेंदू पत्ता का संग्रहण होता है, जो समाप्त हो जायेगा, जंगल में बहुत ही कीमती लकड़ियां हैं, साथ ही महुआ से बहुत आमदनी होती है। खदान खुलने से समस्त किसान बेरोजगार हो जायेंगे, प्रदूषण बढ़ेगा, यहॉ हाथी है, जंगली जानवरी प्रभावित हो जायेंगे। वनौषधी भी यहॉ पाये जाते हैं, वे सब बर्बाद हो जायेगी। धर्मजयगढ़ में पुरातात्विक क्षेत्र और विभिन्न मंदिर हैं वे नष्ट हो जायेंगे, प्रशिक्षण केन्द्र हैं वे भी बर्बाद हो जायेंगे। इतने सारे बर्बादी न हो इसके लिये इस जन सुनवाई को निरस्त किया जाये।
163. संजय कुमार डे, धर्मजयगढ़ कालोनी – यह क्षेत्र अंधकारमय हो जायेगा, धर्मजयगढ़ में एक मेगावॉट का विद्युत सब स्टेशन है। खदान के लिये यहॉ विस्फोटक भण्डारित किया जायेगा, उत्खनन पूर्व मिट्टी जो खोदा जायेगा, उससे आस–पास के लोग धूल खाने के लिये मजबूर हो जायेंगे। खदान क्षेत्र पूरा नगर पंचायत क्षेत्र में है, जिससे नगर पंचायत नष्ट हो जायेगा, उद्योग समूह के द्वारा कहा गया है कि 350 एकड़ जमीन छोड़ना बताया है, जबकि उक्त क्षेत्र के नीचे सी ग्रेड का कोयला है, जिसकी मात्रा 52 मिलियन टन है। भूमि हड़पने की यह एक साजिस है। कंपनी 150 करोड़ रुपये खर्च करके क्या कंपनी केवल एफ और जी ग्रेड कोयले का उत्खन करेगा। नगर पंचायत में कोयला उत्खनन नहीं करने की जो शपथ पत्र दी

गई है, जिसमें से कंपनी ने विभिन्न डम्प यार्ड बनाया जाना है। स्थानीय लोगों को गुमराह किया जा रहा है। प्रस्तावित क्षेत्र में 5 प्रतिशत शासकीय क्षेत्र और कुछ छोटे झाड़ के जंगल है। कंपनी द्वारा विस्थापित करके सागरपुर में बसाया जाना बताया गया है, जो भयंकर हाथी प्रभावित क्षेत्र है, अभी कुछ दिन पूर्व ही वहॉ हाथी का हमला हुआ है। कंपनी के द्वारा जो व्यक्ति मकान नहीं लेना चाहता उनको 75 हजार रुपये और जानवरों के लिये 10 हजार रुपये दिया जाना बताया गया है। स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं दिया जायेगा। मैं डी. बी. पावर का विरोध करता हूॅ।

164. दूबराज सिंह, क्रोधा – हम जमीन नहीं देंगे।
165. राजेश कुमार, क्रोधा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
166. संजीव भगत, बेहरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
167. आनंद कुमार, बेहरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ। कंपनी का जो बेनर टंगा है उसमें डी. बी. पॉवर, धर्मजयगढ़ लिखा है, उसको हटाया जाये। डी. बी. पॉवर के द्वारा जो निर्णय लिया गया है उससे पर्यावरण को भारी नुकसान होगा।
168. अमृत तिर्की, धर्मजयगढ़ – आपके पीछे जो बोर्ड लगा है उसको हटाया जाये। हमको गुमराह किया जा रहा है।

    कंपनी प्रतिनिधि द्वारा शपथ पत्र को पढ़ा गया कि डी. बी. पॉवर माईनिंग धर्मजयगढ़ नगर पंचायत एरिया में नहीं करेंगे और पाण्ड को भी अपने माईनिंग लीज एरिया में ले जायेंगे।

169. रविन्द्र बघेल, खरसिया – डी. बी. पॉवर के कारण प्रदूषण होगा, इसलिये पूरा यूथ कांग्रेस घोर विरोध दर्ज कराती है। जो 350 एकड़ जमीन कंपनी ने छोड़ने की बात कही है उसका नक्शा पास करवाया जाये और उसके बाद जन सुनवाई करवाई जाये। पुर्नवास के बारे में सरकार या कंपनी के द्वारा कोई भी जानकारी नहीं दी गई है। जन सुनवाई के पूर्व इसकी जानकारी दी जानी चाहिए थी। यह आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है, यहॉ पर उनको मूल अधिकारों से अलग किया जा रहा है, आदिवासियों को कहीं भी विस्थापित न किया जाये। यह हाथी बाहुल्य क्षेत्र है, जिस पर शोध किया जा रहा है, फिर कोल माईन हेतु इस क्षेत्र को कैसे आबंटित किया जा सकता है। हाथियों का उत्पात और अधिक होगा तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा ? लात खदान में पहले से कोई खदान चल रहा है वहॉ पूरी हरियाली खत्म हो चुकी है, वहॉ एक मिनट सायकल में जाकर देखिये, वहॉ आपके मुंह काला हो जायेगा, तो क्या धर्मजयगढ़ के लोगों का भी मुंह काला करना चाहते हैं ? पॉवर प्लांट के लिये कोयला जा रहा है। जब किसानों का जमीन जाता है तो क्या इनका फर्ज नहीं है कि उन किसानों को मुफ्त बिजली दिया जाये, कितने प्लांट के द्वारा किसानों को मुफ्त बिजली आबंटित किया गया है। ये जो नगर पंचायत क्षेत्र में खनन नहीं करने की बात कहीं गई है वह कितने दिनों के लिये कहा गया है। क्या हमेशा के लिये कहा गया है। महानदी का कितना पानी लेंगे ? इसके बारे में नहीं बताया है। वॉटर लेबल पहले से गिरा हुआ है। रोजगार के संबंध जिले के लोगों को रोजगार नहीं दिया जा रहा है। रोजगार कार्यालय के माध्यम से स्थानीय लोगों को रोजगार दिया जाये।
170. विजय कुमार शर्मा, रायगढ़ – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ। इस क्षेत्र में जो कोयले की कालिख पुतेगी उसका आंकलन नहीं किया गया है, यहॉ के पर्यावरण

और यहॉ के लोगों को बचाने के लिये मैं डी. बी. पॉवर का विरोध करता हूॅ, यहॉ के लोग जब आये थे, तो यहॉ कुछ नहीं था, आज इन लोगों ने यहॉ इस जगह को बनाया है तो उनको यहॉ से भगाया जा रहा है। कविता पढ़ कर सुनाया गया।

171. मानमति, मेंढरमार – जमीन नही देंगे।
172. चन्दरमति, कोंधा – विरोध करती हूॅ।
173. रजमेत बाई, कोंधा – विरोध करती हूॅ।
174. सन्तकुमारी, कोंधा – जमीन नहीं देंगे।
175. पांचो बाई, कोंधा – हम जमीन नहीं देंगे।
176. धनमेत बाई, कोंधा – हम जमीन नहीं देंगे।
177. सोनमति, कोंधा – जमीन नहीं देंगे।
178. संतकुंवर, कोंधा – हम जमीन नहीं देंगे।
179. अंगोरा, कोंधा – जमीन नहीं देंगे।
180. धनकुंवर, बायसी – हम अपना जमीन नहीं देंगे।
181. निरजा बाई, कोंधा – हम जमीन नहीं देना चाहते हैं।
182. नंदनी, बायसी – हम कंपनी को नहीं देंगे।
183. तारामती, लाखपतरा – जमीन को कंपनी को नहीं देंगे। हमारे बच्चे कहॉ जायेंगे ?
184. जुलिया केरकेट्टा, पतरापारा – हम लोग यहॉ अपने बच्चों को बड़े किये हैं, कंपनी को जमीन नहीं देंगें।
185. आनंद सलोकी भगत, पतरापारा – हम डी. बी. पॉवर को जमीन नहीं देंगे।
186. बसंती भगत, बेहरापारा – डी. बी. पॉवर लिमिटेड का विरोध करती हूॅ।
187. तेरेसा, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
188. गीतापंथ, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
189. सनमी, पतरापारा – विरोध करती हूॅ।
190. मुक्ता एक्का, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
191. सोफिया मिंज, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
192. लारा तिग्गा, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
193. लुसीया केरकेट्टा, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
194. फ्लोरा तिर्की, बेहरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
195. सारथी पुरकायस्थ ,संतोष नगर – हमारे बच्चे कहॉ जायेंगे ? जब कुछ रहेगा ही नहीं तो कहॉ जायेंगे ? इसलिये मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
196. पुष्पा एक्का, बेहरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ। वो यहॉ से हट जाये।
197. सविता रथ, जन चेतना, रायगढ़ – मैं डी. बी. ग्रुप के कोल उत्खान की जन सुनवाई का निम्न बिन्दु पर विरोध करती हूॅ आज की जन सुनवाई केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के अधिसूचना 2006 के विरुद्ध है। आवेदन के 45 दिन के अंदर जन सुनवाई करवा लिया जाना चाहिए, चूंकि यह जन सुनवाई 45 दिन के बाद हो रही है यह जन सुनवाई अवैध है। यह क्षेत्र पूर्ण रुप से आदिवासी क्षेत्र है जो अनुसूची 5 के अंतर्गत है, यहॉ से 3 किलो मीटर की दूरी पर राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहलाने वाले बिरहोर, पंडा और पहाड़ी कोरवा के लोग रहते हैं, उन्हें हम खो देंगे, यहॉ के जंगल से जो चार और चिरोंजी से वहॉ के लोगों का भरण पोषण होता है, कोयला खदान से आदिवासी संस्कृति और सभ्यता नष्ट हो जायेगी, यहॉ हाथियों के द्वारा लोगों के फसलों को नुकसान करने की सूचना मिलती है और

हाथी भगाने के लिये लाखों रुपये खर्च होने से यह सिद्ध होता है कि यह क्षेत्र हाथी प्रभावित क्षेत्र है। इस क्षेत्र का दिल्ली के टीम से जॉच करवाना चाहिए। ग्राम पंचायत के उप धारा के तहत् किसी भी ग्राम पंचायत में खदान खोलने के लिये विशेष ग्राम पंचायत का आयोजन करके उसमें सहमती लेनी होती है, लेकिन किसी भी प्रकार के ग्राम सभा का आयोजन नहीं किया गया है। यहॉ के स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं दिया जायेगा। रोजगार कार्यालय में 75000 लोग बेरोजगार लोगों की सूची है किसी भी उद्योग के द्वारा उन्हें रोजगार नहीं दिया गया है। कोल माईन क्षेत्र के 15 कि.मी. के दूरी पर ऐतिहासिक स्थल राष्ट्रीय उद्यान है, उसको छुपाया गया है, आई.टी.आई. यहॉ है जिसकी जानकारी नहीं दी गई है। माण्ड नदी से पानी ली जायेगी, और खदान से भी पानी निकाला जायेगा, जिससे माण्ड नदी पर खतरा बढ़ जायेगा, और माण्ड नदी का अस्तित्व समाप्त हो जायेगा, महिलाओं को विस्थापन का मार झेलना पड़ता है, उनके लिये ई. आई. ए. में एक लाईन भी नहीं लिखा गया है। पुलिस रिकार्ड के अनुसार सबसे ज्यादा महिलाओं पर अत्याचार होता है, इस जिले में एक अदद महिला थाना का निर्माण हो। किस कंपनी के द्वारा आज तक किसी स्थल पर आदर्श नीति के तहत् पुर्नवास किया है तो हमें दिखा दे। धरती के अंदर की संपदा का अधिकार किसानों को मिलना चाहिए, यह जन सुनवाई अवैधानिक है अतः इस जन सुनवाई को तत्काल निरस्त कर देना चाहिए।

198. जोरोमिना एक्का, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ। क्योकि पर्यावरण पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।
199. कुमुदनी टोप्पो, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
200. प्रभा लकड़ा, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
201. ब्रिजीट एक्का, बेहरापारा – कंपनी को यहॉ बैठने ही नहीं देना है। मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ। जो भी इस कंपनी का समर्थक है वह इस पंडाल को छोड़कर चला जाये। आज यहॉ पर इतना अधिक पुलिस प्रशासन क्यों है ?
202. गोमती तिग्गा, धर्मजयगढ़ – जमीन हमारी है हम जमीन नहीं देंगे।
203. चन्द्रकांति, घर्मजयगढ़ – जब कंपनी आने ही नहीं देना है तो पुर्नवास की बात कहॉ से आती है, हम अपना जमीन नहीं देंगे।
204. उर्मिला मिंज, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
205. सेलिना एक्का, पतरापारा – मैं डीबी पॉवर को जमीन नहीं देना चाहती हूॅ।
206. फिलोमिना कुजूर, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
207. इवनेसिया एक्का, धर्मजयगढ़ – कंपनी को जमीन नहीं देना चाहते।
208. बरबिना, पतरापारा – जमीन नहीं देना चाहते हैं।
209. उर्सेला लकड़ा, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करती हूॅ।
210. अमुल्य कुमार, मेढ़रमार, – जमीन जायेगा तो पर्यावरण प्रदूषित हो जायेगा।
211. श्सरोल टोप्पो , पतरापारा – यहां जो डाइट है हजारो बच्चें पढतें है। इसलिये मैं विरोध करता हूॅ।
212. श्याम साहू, बेहरापारा – मैं डी.बी.पावर का विरोध करता हूॅ। पढ़ का सुनाया गया आपत्ति पत्र को। पानी की कमी हो जायेगी । 600 फीट नीचे खदान हो जायेगा तो धरमजयगढ़ वालो के लिये क्या रह जायेगा ?
213. विकास विश्वास, हाथीगड़ा – विरोध करता हूॅ

214. विनोद कुमार साव, बेहरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ। सुबह से सारी जनता विरोध कर रही है तो कलेक्टर महोदय को घोषणा कर देना चाहिए। प्रत्येक घंटा में बताया जाये कि कितना विरोध हुआ है और कितना समर्थन ।
215. रोशन तिर्की , बेहरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ। डी.बी.पावर वाले चाहते क्या है कि धरमजयगढ़ नंगा हो जाये।
216. अभिषेक कुजुर, बेहरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ। क्योंकि पर्यावरण प्रदूषित हो जायेगा।
217. हेमकुमार बरेठ, बेहरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ।
218. कमल टोप्पो, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ इसका कारण यह है कि यहां से कोयला खनन किया जायेगा।
219. संतोष एक्का, पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ
220. रोशन तिर्की , पतरापारा – मैं डी.बी. पावर का विरोध करता हूॅ क्योंकि यहां के ऐतिहासिक तथा धार्मिक स्थलों पर प्रभाव पड़ेगा।
221. बेनेदिता खेंस, बेहरापारा – जमीन नही देंगे।
222. लुसिया टोप्पो, पतरापारा – जमीन नही देगें।
223. प्रशन्न एक्का, बेहरापारा – जमीन नही देगें।
224. रिजीना मिंज, धरमजयगढ़ – मैं पॉवर प्लांट को विरोध करती हूॅ।
225. सुषमा कुजुर, पतरापारा – मैं विरोध करती हूॅ।
226. दशमति एक्का, पतरापारा – मैं विरोध करती हूॅ।
227. अंजना तिर्की, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर ग्रुप को विरोध करती हूॅ।
228. गोदो मिंज, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर ग्रुप को विरोध करती हूॅ।
229. सेतमति चौहान, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर ग्रुप को विरोध करती हूॅ।
230. हियासिन्ता तिर्की,पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर ग्रुप को विरोध करती हूॅ।
231. पुष्पा केरकेट्टा, पतरापारा – मैं विरोध कराना चाहती हु क्योकि ध्वनि प्रदूषण होगा।
232. जंयति तिग्गसा, धरमजयगढ़ – मैं डी.बी. पॉवर ग्रुप को विरोध करती हूॅ।
233. पिछा बड़ा, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर ग्रुप को विरोध करती हूॅ।
234. अलमा कुजुर, धरमजयगढ़ – मैं डी.बी. पॉवर ग्रुप को विरोध करती हूॅ।
235. शोभा बेहरा, पतरापारा धरमजयगढ़ – मैं डी.बी. पॉवर ग्रुप को विरोध करती हूॅ।
236. कुसुम कुजुर, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर ग्रुप को विरोध करती हूॅ।
237. स्कोलो मिंज, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर ग्रुप को विरोध करती हूॅ।
238. एन्ओसिया टोप्पो, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर ग्रुप को विरोध करती हूॅ।
239. तेरेसा तिर्की, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर ग्रुप को विरोध करती हूॅ।
240. सुनैना बैगा, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर ग्रुप को विरोध करती हूॅ।
241. मानमति सारथी, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर को विरोध करती हूॅ।
242. हेलेना टोप्पो, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर को विरोध करती हूॅ।
243. बिलासो बाई, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर को विरोध करती हूॅ।
244. दिलमेत बाई, पतरापारा – मैं कम्पनी का विरोध करती हूॅ।
245. दिलमोहनी सारथी, पतरापारा – मैं कम्पनी का विरोध करती हूॅ।
246. ज्योति कुजुर, पतरापारा – मैं कम्पनी का विरोध करती हूॅ। जंगल के बीच में रहते है हमें हरियाली चाहिए कोयला नही चाहिए।
247. सुमित्रा तिर्की, पतरापारा – मैं कम्पनी का विरोध करती हूॅ।

248. सावित्री एक्का, पतरापारा– मैं कम्पनी का विरोध करती हूॅ।
249. लक्ष्मी भगत, बेहरापारा – मैं कम्पनी का विरोध करती हूॅ।
250. रजमनी बाई, बेहरापारा – मैं कम्पनी का विरोध करती हूॅ।
251. दिब्या बड़ा, धरमजयगढ़ – मैं कम्पनी का विरोध करती हूॅ।
252. संगीता बड़ा , धरमजयगढ़ – मैं कम्पनी का विरोध करती हूॅ।
253. स्वाति तिर्की, धरमजयगढ़ – लोक सुनवाई का विरोध कर आपत्ति दर्ज करती हूॅ।
254. सविता लकड़ा, बेहरापारा – मैं कम्पनी का विरोध करती हूॅ।
255. रजनी एक्का, पतरापारा – मैं कम्पनी का विरोध करती हूॅ।
256. संगीता लकड़ा, दीपनगर – मैं कम्पनी का विरोध करती हूॅ।
257. प्रिया बरवा, दीपनगर – मैं कम्पनी का विरोध करती हूॅ।
258. रोहित कुजुर, पतरापारा – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ क्योंकि कई प्रकार की बीमारियां होगी।
259. जय कुमार पतरापारा – मैं कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
260. अंकित एक्का पतरापारा – मैं कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
261. कुलजेंस , पतरापारा – मैं कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
262. कुशल एक्का, पतरापारा – मैं कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
263. संजय एक्का, पतरापारा – मैं कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
264. जगदीश सरकार , धर्मजयगढ़ – जब कल मीटिंग में कहा गया था, कि धर्मजयगढ़ को छोड़ा गया है, फिर बोर्ड में से उसे काटा क्यो नहीं गया है ? इसका मतलब है हमारे साथ छल किया जा रहा है । आज जब धर्मजयगढ़ में इतना हाथी आता है इनको दिखाई नहीं देता है, ये अंधे लोग हैं, मैं डी. बी. पॉवर का विरोध करता हूॅ।
265. साहिद खान, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करता हूॅ। क्योंकि जब से यह आया है तब से हमारे धर्मजयगढ़ में अशान्ति फैल गया है, जब वे सबसे पहले आये थे, तो गार्ड के साथ बंदूक लेकर चलते थे, ये धर्मजयगढ़ क्षेत्र में 8 वीं से अधिक शिक्षित लोग नहीं है हमारी जानकारी में 8 से कम किसी ने पढ़ा ही नहीं है। इन्होंने मंदिर, चर्च और मस्जित को नहीं बताया है कल को यह कह देंगे वो कहेंगे कि यहॉ मानव ही नहीं रहते हैं, यहॉ हाथी है, इसकी जानकारी नहीं है, यह जन सुनवाई तो परीक्षा का प्रवेश पत्र है, फिर परीक्षा में क्या किया जायेगा। इनके द्वारा आस्था के केन्द्र, और जंगली जानवरों को नहीं बताया गया है, 600 फीट खोद देंगे तो हमे पानी कहॉ मिलेगा ? तब हम क्या कोयला पीयेंगे और खायेंगे। हमारे किसान अनाज उगाते हैं तो हम सब खाते हैं, जब कोयला खोदेंगे तो तब कोयला खायेंगे क्या ? यह जन सुनवाई अवैधानिक है इसका मैं विरोध करता हूॅ।
266. शिवनंदन, पतरापारा – मैं इस कंपनी का विरोध करता हूॅ।
267. हरिचरण दयाल, धर्मजयगढ़ – हमको हमारे सवाल का संतोष जनक जवाब मिलना चाहिए, डी. बी. पॉवर के लोग पिछले कुछ दिनों से गांव में घूम–घूमकर बिस्किट, चाकलेट और चप्पल बांट रहे हैं यह समाज सेवा नहीं है यह प्रलोभन में आता है इनके उपर अपराध दर्ज किया जाना चाहिए। कंपनी के के द्वारा रायगढ़ से लोगों को समर्थन हेतु ढोकर लोगों को लाया गया है। यह भी अपराध है। पर्यावरण अधिकारी से जानना चाहता हूॅ कि आपके कार्यालय में आज तक कितने आपत्ति और दावा मिले हैं, उसकी जानकारी दी जाये, उन आपत्तियों पर बिना विचार किये जन सुनवाई करायी जा रही है। पहले उस पर विचार किया जाये उसके बाद जन सुनवाई करवाया जाना चाहिए था। शपथ पत्र किसकी ओर से जारी किया गया है

क्या वह इसके लिये अधिकृत है ? ई. आई. ए. रिपोर्ट क्षेत्रीय भाषा में होनी चाहिए थी, केवल एक 4–6 पेज की हिन्दी समरी दी गई है जिसमें कंपनी की तारीफ लिखी है सम्पूर्ण ई. आई. ए. हिन्दी में होनी चाहिए थी ताकि हम समस्त तथ्यों को समझ सकें। 693.326 हेक्टेयर हेतु यह जन सुनवाई हो रही है। धर्मजयगढ़ क्षेत्र वनों से आच्छादित है, कोयला खदान के स्थापना से क्षेत्र में प्रदूषण फैलेगा, ऐतिहासिक क्षेत्रों में प्रदूषण होगा, अतः मै इस डी. बी. पॉवर कंपनी का विरोध करता हूँ।

268. राजेश त्रिपाठी, जन चेतना, रायगढ़ – आज की जन सुनवाई केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की अधिसूचना 2006 के अनुरुप नहीं हो रही है। कंपनी के द्वारा जो आवेदन के 45 दिन के अंदर जन सुनवाई होनी चाहिए, अगर किसी कारण वश अगर वह जन सुनवाई करवाने में असमर्थ होती है तो केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय एक समिति का गठन कर जन सुनवाई कराई जायेगी, जिसके अनुसार यह जन सुनवाई अवैध हो जाती है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अगर कंपनी 125 हेक्टेयर जमीन आज छोड़ रहे हैं तो आपकी ई. आई. ए., टी. ओ. आर. के मुताबिक नहीं है, उस जमीन को छोड़कर आपको पुनः आवेदन करना होगा और उसके बाद जन सुनवाई होगी, आपने वन विभाग से जानकारी नहीं ली है, मेरी जानकारी के अनुसार इस क्षेत्र में 100 से अधिक घरों को तोड़ा गया है और 5 लोगों को हाथी ने मारा है आपके ई. आई. ए. में गिलहरी, बंदर, भालू, दिखे लेकिन इतना बड़ा हाथी नही दिखाई दिया, इस क्षेत्र में ई. आई. ए. को कट एण्ड पेस्ट के तहत् बनाया जाता है। आप के अनुसार यहॉ पर्याप्त संसाधन है, लेकिन यहॉ कि जल संसाधन विभाग के अनुसार कितने बोर सूख चुके हैं। यह क्षेत्र पेशा एक्ट के अंतर्गत आता है और उसके अनुसार आदिवासी की जमीन को कोई गैर आदिवासी नहीं ले सकता, उन परिस्थितियों में आप आदिवासियों की जमीन कैसे लेंगे ? अगर आप ले लेंगे तो पेशा एक्ट के तहत् जमीन को 10 वर्ष तक डायवर्सन नहीं होगा तब तक क्या आप लोग इंतजार करेंगे ? इस क्षेत्र के 70–80 प्रतिशत क्षेत्र अनुसूची क्षेत्र है। इस क्षेत्र में बिरहोर जाती के लोग जो राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र हैं। इसका उल्लेख आपकी ई. आई. ए. में नहीं है, पहाड़ी कोरवा वो भी राष्ट्रपति के दत्तक पूत्र है उसकी जानकारी भी नहीं दी गई है। आपकी ई. आई. ए. के अंदर महिलाओं के लिये कोई भी शब्द नहीं लिखा है। जब ये परिवार होगा तो विस्थापन की सबसे ज्यादा मार महिलाओं पर पड़ती है। इस धर्मजयगढ़ के अंदर जिस तरह से प्राकृतिक संसाधन को देखें तो इस खदान से धर्मजयगढ़ में मानव संसाधन का कितना नुकसान होगा इसकी जानकारी नहीं दी गई है। नेशनल हाईवे रोड का 4 किलो मीटर आपके खदान के अंदर आती है। उसके बारे में आपके ई. आई. ए. में नहीं लिखा है। कोयला निकालने के लिये अगर ट्रासपोर्ट करेंगे तो दुर्घटना कितनी अधिक बढ़ेगी, अभी प्रतिमाह रायगढ़ में 63 मौतें होती हैं, आज अगर रेलगाड़ी से कोयला ले जाने की बात कहते हैं तो रेल हवा में नहीं चलती वह जमीन कहॉ से लायेंगे। विस्थापन के बाद पुर्नवास के बारे में कहा गया है, कि राज्य सरकार के नीतियों के अनुसार लोगों को पुर्नवास किया जायेगा। छाल में पुर्नवास के नाम पर 50 हजार रुपये प्रति व्यक्ति लिया जा रहा है। क्या ये लोग भी ऐसा करेंगे ? समस्त पुलिस विभाग के कर्मचारियों को कंपनी के तरफ से एक दिन का मानदेय देना चाहिए।

269. रेनु लकड़ा, पतरापारा – मैं डी. बी. पॉवर कंपनी के जन सुनवाई का विरोध करते हुए आपत्ति दर्ज करती हूॅ।
270. विनिता बड़ा, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
271. नीलम टोप्पो, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
272. उर्सेला कुजूर, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
273. मटिल्डा बड़ा, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
274. सुशमा मंडल, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
275. संगीता तिग्गा, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
276. ममता मंडल, पतरापारा – जब से डी. बी. पॉवर आया है तब से अशान्ति फैला है, हम लोग कितना मजदूरी करके अपना जीवन यापन किये आज हमको इस जगह से भगाया जा रहा है, इस जमीन में हमने बहुत मेहनत किया है। मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
277. तुलसी मंडल, संतोष नगर – हमारा जो 5 एकड़ जमीन है उसमें 250 आम का पेड़ है निंबू पेड़ है उसको बेचते हैं और अपना जीवन यापन करते हैं। मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
278. हेलन एक्का, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
279. उर्मिला, लक्ष्मीपुर – कंपनी का विरोध करती हूॅ।
280. मार्गेट तिग्गा, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
281. लक्ष्मी तिर्की, लक्ष्मीपुर – कंपनी का विरोध करती हूॅ।
282. सेलेना एक्का, लक्ष्मीपुर – कंपनी का विरोध करती हूॅ।
283. रविघोष, बायसी कालोनी – हम अपना जमीन नहीं छोड़ना चाहते है।
284. सूमति विश्वास, बायसी कालोनी – कंपनी धुंआ छोड़ेगा तो कहॉ जायेगा ? एक महिना में पूरा भारत समाप्त हो जायेगा।
285. उर्मिला टोप्पो, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
286. उर्मिला दास, बायसी कालोनी – हम जमीन नहीं देंगे।
287. सुभाषी मंडल, बायसी कालोनी – हम कंपनी को जमीन नहीं देंगे।
288. रुपमनो विश्वास, बायसी कालोनी – कंपनी का विरोध करते हैं, कंपनी को भगाओ।
289. अमोला मजूमदार, बायसी कालोनी – हम कंपनी का विरोध करते हैं।
290. मनिदास, बायसी कालोनी – जमीन नहीं देंगे।
291. चंचल, मेढरमार कालोनी – हम पर्यावरण के खिलाफ लोगों का विरोध करते हैं, डी. बी पॉवर यहॉ से चले जायें।
292. प्रमिला विश्वास, बायसी कालोनी – हम कंपनी से भीख मांगकर नहीं खाना चाहते हम लोग जितना फसल होता है, उसको बेचकर चार–पांच साल खाते है।
293. विजय लकड़ा, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करता हूॅ। हमारा धर्मजयगढ़ स्वच्छ है उसे प्रदूषित नहीं होने देंगे। डीबी पॉवर वापस चले जायें।
294. श्याम प्रसाद, वार्ड क्र. 8, धर्मजयगढ़ – हम लोग मुआवजा नहीं देना चाहते ये लोग 5–5 पैसे बचाकर पेपर चलाते हैं, ये हमें क्या मुआवजा देंगे, मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।
295. मनोरंजन विश्वास, पतरापारा – नगर पंचायत के बारे में लिख के दिया गया है तो फिर हमको ग्राम पंचायत के लोगों को लिख कर क्यों नहीं दिया जायेगा ? हमको भगाया जायेगा तो हम कहॉ जायेंगे ? हम अपना जमीन नहीं देंगे, जान दे देंगे लेकिन अपना जमीन नहीं देंगे।

296. नकुल चौहान, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करता हूॅ।

297. रोहणी प्रताप सिंह राठिया, धर्मजयगढ़ – हमारे धर्मजयगढ़ क्षेत्र में दो प्रकार के लोग हैं एक भूमि स्वामी और एक भूमि धारी आपने कहा है जो भूमि स्वामी हैं उनको मुआवजा देंगे और जो लोग कब्जा किया हुआ है और खेती कर रहे हैं उनके लिये कुछ नहीं कहा गया है। उनके पास भूमि का कोई लेखा जोखा नहीं है। जल प्रदूषण के लिये तो आप नल–जल योजना, मिनरल वॉटर और अन्य व्यवस्था बनाया है, लेकिन जानवरों के बारे में आपने कुछ नहीं सोचा है, वे प्रदूषित पानी पियेंगे तो मर जायेंगे। डी. बी. पॉवर का नाम तो दैनिक भास्कर है जिसका काम लोगों की परेशानी को लोगों को बताना है यह प्रदूषण लेकर क्यों आ रहा है?

298. प्रेम सिंह राठिया, भंवरखोल – जिस क्षेत्र में डी. बी. पॉवर खुल रहा है उसके खुलने से पूर्णतः पर्यावरण प्रदूषित हो जायेगा, इससे क्या हानि और क्या लाभ है वह हर कोई समझ सकता है, आदिवासी किसानों को जो क्षति होगा उसको सरकार और कंपनी नहीं समझ सकता है।

299. जितेन्द्र नरसिंह राणा, मेढरमार – यह जो कोल माईन्स के लिये बताया जा रहा है उसमें बताया जा रहा है कि कंपनी के कारण विकास होगा लेकिन हमें ऐसा विकास नहीं चाहिए जो विनाश की ओर ले जाये, यह धान के कटोरे को धूयें का कटोरा बनाना चाहता है। इसमें विभिन्न प्रकार का प्रदूषण होगा। ई. आई. ए. रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि हाथी नहीं है, खुद पीठासीन अधिकारी इस क्षेत्र में हाथी देख चुके हैं या शासन का रिपोर्ट झूठा है या कंपनी ने झूठी जानकारी दी है। हमने केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय से जानकारी ली है कि अगर कंपनी भ्रामक और गलत जानकारी देती है तो उसको निरस्त कर दिया जायेगा, मैं स्वयं कोर्ट में इनसे लडूंगा, यह जो टेंट गड़ा है वह कंपनी के द्वारा लगाया गया है या शासन के द्वारा लगाया गया है। जब एक पक्ष बाहर है तो कंपनी के लोगों को अंदर क्यों रखा गया है ? जिस बंगाली परिवार को हमारे पूर्वजों ने बसाया है, उन बंगाली परिवारों के लिये कंपनी कुछ नहीं कर रहा है, आज से 50–55 वर्ष पूर्व जब ये बंगाली परिवार यहॉ आये थे, तो उस समय उनको रामकुमार अग्रवाल जी ने बसाया था, जिस बंजर जमीन पर उन्हें बसाया गया था, उसमें घास भी नहीं उगता था, आज उस जमीन को उन्होंने उपजाऊ बनाया है और आज उनको विस्थापित किया जा रहा है। ई. आई. ए. रिपोर्ट में जो गलत आंकड़ा दिया गया है, तो निरस्त किया जाना चाहिए और इनको जमीन नहीं दिया जाना चाहिए, ये लोगों को प्रलोभन दे रहे हैं।

300. संजय तिर्की, अध्यक्ष, जनपद पंचायत, धर्मजयगढ़ – मेसर्स डी. बी. पॉवर के उत्खनन से 150 फीट से 600 फीट तक जो गढ्ढा होगा तो धर्मजयगढ़ के जो तालाब और कुंए हैं उनका जल स्तर नीचे चला जायेगा। आज ये नगर पंचायत को छोड़ने की बात कहते हैं, अगर यह कंपनी यहॉ बैठती है तो नगर पंचायत को हमको छोड़ना पड़ेगा।

301. रामनाथ, बीजापथरा – हम अपना जमीन कंपनी को नहीं देंगे।

302. महेश कुमार चैनानी, उपाध्यक्ष, नगर पंचायत, धर्मजयगढ़ – अगर किसी चुनाव में किसी प्रत्यासी द्वारा वोटरों को प्रभावित करने के उद्देश्य से वोटरों को पैसा बांटा जाता है तो उसके खिलाफ करर्यवाही की जाती है, इस डी. बी. पॉवर के द्वारा बच्चों को बिस्किट, चाकलेट, और चप्पल बांट कर जन सुनवाई को प्रभावित करने का प्रयास किया गया है तो उनके खिलाफ कोई कार्यवाही क्यों नहीं की गई है ? कोल ब्लाक के लगने से यहॉ के पर्यावरण पर बुरा प्रभाव पड़ेगा, यहॉ का पर्यावरण

बहुत अच्छा है। यहॉ कंपनी के द्वारा खुदाई की जायेगी,जिससे नदी नाले और कुंए सूख जायेंगे जिससे पानी की समस्या पैदा होगी, इस कोल ब्लाक के खुलने से वन्य जीव प्रभावित होंगे, उपरोक्त कारणों से मैं डी. बी. पॉवर का विरोध करता हूॅ। कोयला का मुख्य जोन तो नगर पंचायत क्षेत्र है, तो कोयला खोदने के लिये क्या नगर पंचायत को भोपाल ले जायेगा।

303. मनोज कुमार पटेल, धर्मजयगढ़ – आजादी के 60 साल बाद हमारे नेताओं को धर्मजयगढ़ के विकास का याद आ जाता है, यहॉ के जंगल के जमीन को हमने कृषि योग्य भूमि बनाकर उस पर आज खेती कर रहे है। सरकार को हमारे विकास की नहीं हमारे जमीन के नीचे जो कोयला है उसकी जरुरत है, हमने 1989 से कालेज की मांग की थी, उसको पूरा नहीं किया गया और आज हमको विकास के नाम पर बिस्किट, चाकलेट और चप्पल देकर हमारा विकास करेंगे। हमने रायगढ़ और कोरबा को देख लिया है वहॉ के बच्चे अपने नाक में मास्क पहन कर स्कूल जाते है। आपको कोयला, बिजली और पैसा चाहिए, हमको शुद्ध हवा, शुद्ध जल चाहिए। रायगढ़ और कोरबा के प्रदूषण को धर्मजयगढ़ की पर्यावरण शुद्ध कर रही है। धर्मजयगढ़ की जनता अशिक्षित है हम उनको ठग लेंगे, लेकिन हम पर्यावरण के मुद्दे पर किसी भी प्रकार से समझौते नहीं करना चाहते हैं।
304. फिलिप कुजूर, धर्मजयगढ़ – आज जंगल को मत काटिये मैं विरोध करता हूॅ और अपनी आपत्ति दर्ज करता हूॅ।
305. अमिर उल्ला खान, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करता हूॅ।
306. पुर्बी, हाथीगढ़ा – हम लोग इतना बोल रहे हैं तो आप लोग क्या कर रहे हैं ? कंपनी को भगाओ।
307. सविता विश्वास, बायसी कालोनी – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
308. रुपा विश्वास, बायसी कालोनी – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
309. सरोज राय, मेंढरमार – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
310. विशाखा मजूमदार, बायसी कालोनी – कंपनी वाले वापस चले जायें।
311. सपना मजूमदार, बायसी कालोनी – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
312. गीता मंडल, बायसी कालोनी –हम लोग कंपनी आयेगा तो बैठ नहीं सकेंगे, हम कंपनी का विरोध करते है।
313. उर्मिला मधु,, बायसी कालोनी – परसों हाथी आया था, फारेस्ट क्यों नहीं गया, कंपनी यहॉ से चले जाओ।
314. जोम्मा सिलवानी कुजूर, बायसी कालोनी – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
315. देवी मंडल, हाथीगढ़ा – कंपनी वालो का बच्चा नहीं है। वे कुत्ते हैं।
316. रुकमणी सिदार, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
317. उर्मिला सिदार, पतरापारा – मैं माटी को लेकर कहॉ जाउगी ?
318. रमेनिया कसेर, पतरापारा – जमीन नहीं देंगे।
319. रामबाई सिदारिन, पतरापारा – जमीन नहीं देंगे।
320. कमला पाल, हाथीगढ़ा – कंपनी को जमीन नहीं देंगे।
321. ज्योत्सना विश्वास, हाथीगढ़ा – कंपनी को जमीन नहीं देंगे।
322. गौरी, बायसी कालोनी – कंपनी को जमीन नहीं देंके।
323. गीता, बायसी कालोनी – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
324. लूनिया तिर्की, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
325. शेहराबानो, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।

326. मनकुमारी, पतरापारा – हमारे पास भेड़ बकरी है उसे कहॉ चराऐंगे ?
327. मायालक्ष्मी बाई, हाथीगढ़ा – हम लोग जमीन नहीं देंगे। कंपनी को हटाना है। हम मर जायेंगे लेकिन जमीन नहीं देंगे।
328. सावित्री, बायसी कालोनी – हम लोग जमीन नहीं देंगे।
329. हरितिशी, बायसी कालोनी – कंपनी को जमीन नहीं देंगे, कंपनी को हटाओ।
330. मीना सिदार, पतरापारा – कंपनी को जमीन नहीं देंगे।
331. शकुन्तला, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
332. रेखा पाल, हाथीगढ़ा – कंपनी को हटाइये हमें शान्ति से रहने दीजिये।
333. कनक विश्वास, बायसी कालोनी – हम अपना जमीन नहीं देंगे।
334. कमला बैरागी, हाथीगढ़ा – हम लोग जमीन नहीं देंगे।
335. सविता मंडल, हाथीगढ़ा – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
336. संध्या, हाथीगढ़ा – हम जमीन नहीं देंगे।
337. कल्पना पाल, हाथीगढ़ा – हम जमीन नहीं देंगे।
338. सुकुमारी मंडल, बायसी कालोनी – कलेक्टर महोदय को देखना चाहिए हमारे तकलीफ को, कंपनी का विरोध करते हैं, जमीन नहीं देंगे।
339. लक्ष्मी मजूमदार, बायसी कालोनी – जमीन नहीं देंगे।
340. कमोलीनि मंडल, बायसी कालोनी – कंपनी को हटाना है जमीन नहीं देंगे।
341. संगीता कुजूर, पतरापारा – इस लोक सुनवाई पर आपत्ति दर्ज कर विरोध दर्ज करती हूॅ।
342. रमनी एक्का, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
343. कमलेश बाई, पतरापारा – कंपनी अपना बोरिया बिस्तर बांधकर चला जाये, कंपनी का विरोध करती हूॅ।
344. बेनिनिया टोप्पो, धर्मजयगढ़ – हम लोग आदिवासी है कंपनी का मैं घोर विरोध करती हूॅ।
345. धनमति चौहान, पार्षद वार्ड नं. 5, धर्मजयगढ़ – हमारा जमीन जब गढ्ढा था, उस समय उसे समतल करने सरकार आया था क्या ?
346. लीलावती श्रीमपली, बेहरापारा – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
347. ऊषा कालेन खेस्स, बेहरापारा – हम जान दे देंगे लेकिन जमीन नहीं देंगे।
348. प्रभा किसकोहा, बेहरा पारा – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
349. सिलवानी केरकेट्टा, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
350. सुक्रिता बेग, पतरापारा – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ। क्योंकि इसका मानव जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ेगा।
351. इन्दु बाई पटेल, मेंढरमार – हम जमीन नहीं देना चाहते हैं।
352. लक्ष्मण कुमारी, मेंढरमार – हम जमीन नहीं देना चाहते हैं।
353. काया मलिक, बायसी कालोनी – हमारी जमीन में किस लिये आये हैं ? यहॉ से भाग जाओ, हम अपना जमीन नहीं देंगे।
354. ममता मंडल, बायसी कालोनी – हम अपना जमीन नहीं देना चाहते ।
355. सुनीता विश्वास, बायसी कालोनी – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
356. शीला विश्वास, बायसी कालोनी – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
357. मुकुट मलिनि, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
358. देवी हलधर, धर्मजयगढ़ – हम लोग अपना जमीन नहीं देंगे।
359. पुष्पा, हाथीकालोनी – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।

360. अनिता विश्वास, हाथीगढ़ा – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
361. नीलू मंडल, हाथीगढ़ा – हम अपना जमीन नहीं देना चाहते हैं।
362. रेखा विश्वाल, हाथीगढ़ा – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करती हूॅ।
363. सुशीला मंडल, बायसी कालोनी – कंपनी अगर सुबह तक नहीं गया तो हम झांसी की रानी बन जायेंगे और कंपनी को भगा देंगे, हम लोग यहॉ से नहीं जायेंगे, वे हमको साबुन दे रहे हैं, हम उनको साबुन देंगे वो यहॉ से चले जायें।
364. सविता सरकार, बायसी कालोनी – सुबह से हजारो लोग बोले हैं सभी लोग विरोध कर रहे हैं तो फिर जन सुनवाई क्यों चल रहा है ? किसी ने भी सहमती नहीं दिया है तो जन सुनवाई को बंद कर देना चाहिए। मेरा विरोध है।
365. अनिल कुमार पाण्डेय, पार्षद, धर्मजयगढ़ – मैं डी.बी. पॉवर का विरोध करता हूॅ। क्योंकि इससे मानव जीवन पर कई प्रकार का प्रभाव पड़ेगा, पर्यावरण प्रदूषित होगा, हमे नई जगह जाना पड़ेगा इसलिये मैं इस कंपनी का विरोध करता हूॅ।
366. जोगेश्वर बैरागी, दुर्गापुर – सबको खुश रहना चाहिए, अगर कंपनी आयेगा तो सभी को दिक्कत होगा।
367. विमल सिंह, पतरापारा – मैं अपना जमीन किसी को नही देना चाहता ।
368. विश्वनाथ, बायसी – डी.बी ग्रुप आने से यहां की पर्यावावरण नष्ट हो जायेगी । मै डी.बी.ग्रुप का विरोध करता हूॅ।
369. राम प्रसाद ढेमर, अध्यक्ष नगर पंचायत धरमजयगढ़ – पूरे आस पास के क्षेत्र में पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न होगी। कोई भी नागरिक नही चाहता की यहां खदान खुले।
370. दर्शन सिंह, बिजापतरा – कम्पनी आयेगा तो पानी नही बचेगा। मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
371. अरिवल मधु, बायसी कालोनी– यहां के जनता शेर से कम नही और यहां के शेर को जगाओं नही। नही तो कोई बच नही सकता। दुर्घटना होने की सम्भावना है। मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
372. युसुफ छाया, धरमजयगढ़ – आज हमारे क्षेत्र की जनता यहां खदान ना खुले यही चाहती हैं । नगर पंचायत और ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले जनता प्रभावित हो रहे है। यह जन सुनवाई कानून के विरूद्ध हो रही है। नगर पंचायत की 350 एकड़ जमीन को छोड़ने की बात कही है उस हलफनामे की कापी चाहिए, ये बात छलावा है और हमें भ्रमित किया जा रहा है। जब नगर पंचायत क्षेत्र छूट सकता है तो ग्राम पंचायत क्षेत्र को क्यों नहीं छोड़ा जाये ? इस मंच के माध्यम से यह स्पष्ट किया जाये या फिर इस जन सुनवाई को निरस्त कर दिया जाये। बालको कंपनी तराईमार से मेंढरमार आ रही है और डी बी. पॉवर मेंढरमार से तराईमार जा रही है तो जनता कहॉ जायेगी ?
373. बंधन सिंह राठिया, वार्ड क्र.3 – मैं डी बी पॉवर को इतना कहना चाहता हूॅ कि मैं किसान हूॅ और अपना जमीन नहीं दूंगा । मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
374. किशोर बेहरा, धर्मजयगढ़ – यहॉ जो कोयला खदान होगा उसका प्रखर विरोध करता हूॅ, कोयला खदान खुलने से पीने के लिये पानी नहीं मिलेगा, शुद्ध हवा नहीं मिलेगा, लोगों को विभिन्न बीमारी होगी, यहॉ ध्वनि प्रदूषण होगा, इस क्षेत्र की जनता विरोध करती रहेगी, जब तक डी. बी. पॉवर वापस नहीं जायेगी।
375. गुलाब सिंह राठिया, मेंढरमार – मैं जमीन तो क्या सुई का एक नोक भी कंपनी को नहीं दूंगा।

376. विजय यादव, धर्मजयगढ़ – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ। क्योंकि कोल ब्लाक के खुलने से कृषि भूमि और लोगों के स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।
377. सोमनाथ कुमार मंडल, मेंढरमार कालोनी – कंपनी यहॉ आयेगी तो हमारे पर्यावरण पर प्रभाव पड़ेगा, जिससे हम एतिहासिक क्षेत्र से वंचित हो जायेंगे, ई. आई. ए. में कहा गया है कि सागौन के पेड़ नहीं है पर्दे को हटाईये वहीं 100 से अधिक सागौन के पेड़ हैं, यहॉ नाबालिक बच्चो को बोलने नहीं दिया गया, और नाबालिक बच्चे चाय बांट रहे हैं।
378. अमूल हलधर, धर्मजयगढ़ कालोनी – यहॉ हम शुद्ध हवा ले रहे है, रायगढ़ में बहुत सारे बीमारी हो रहे हैं, क्योंकि वहॉ प्रदूषण हैं। हमारे मॉता पिता जब भूख से मर गये तब कंपनी कहॉ था ? आज हम लोग जमीन को मेहनत करके बनाये हैं। मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
379. शांति हलधर, मेंढरमार – कंपनी का विरोध है।
380. सूभाष चन्द्र मंडल, मेंढरमार कालोनी – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ। क्योंकि यहॉ का पानी बहुत अच्छा है कंपनी आने से यहॉ का हवा पानी दूषित हो जायेगा, कंपनी हास्पिटल खोलने की बात कहते हैं, हम नहीं चाहते की बड़ी बीमारी यहॉ आये। टाटा को हटा दिये तो ये छोटा–मोटा कंपनी क्या है ? यह शान्त क्षेत्र है, यहॉ अशान्ति फैल जायेगा।
381. ब्रजोन मंडल, बायसी कालोनी – अकेले केवल नगर को ही न बचाये पंचायत और गांव को भी बचाया जाये, कंपनी को यहॉ से हट जाना चाहिए।
382. तेजराम गुप्ता, उपसरपंच, आमापाली – आज हमारे बंगाली भाई लोग हैं, वे कलकत्ता और बंगाल से आकर यहॉ बसे थे, सरकार जगह बनाकर बंगाली भाईयों को हटाये।
383. सुरेन्द्र सिंह सहगल, धर्मजयगढ़ – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
384. भैरो मधु बायसी कालोनी – यहॉ कंपनी खुलता है तो पर्यावरण प्रदूषित होगा इसलिये मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
385. प्रदीप बछाड़, मेंढरमार – कंपनी के खुलने से बहुत अधिक प्रदूषण होगा, मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
386. शिवेन्द्र भारद्वाज, अधिवक्ता, हाईकोर्ट – क्या हम एफीडेविट की कापी ले सकते हैं, भारत सरकार के नोटिफिकेशन जारी किया गया है उसके अनुसार 45 दिन के अंदर होना चाहिए था, इसमें कभी भी लैंड एक्वीजेशन देखा जाता है उसमें देखा जाता है कि पहले ब्लाक है या कंपनी है, इतना सुन्दर हमारा शहर नष्ट हो जायेगा, जब से कंपनी यहॉ आया है तब से यहॉ लायन आर्डर बहुत अधिक बढ़ गया है।
387. एमानवेल खलखो, पतरापारा – इंटरनेशनल रुप से हमारी बात रखी जाये और मै विश्व पर्यावरण संगठन हमारी बातों को सुने, आज हमारे खेत और हमारे पेड़ पौधों को काट दिया जायेगा, हम आदिवासी हैं, क्या कोयला निकालने के बाद यहॉ का पर्यावरण बच पायेगा, पूरे वर्ल्ड को बताइये कि इसके लिये क्या किया जायेगा ? मेरा आपत्ति दर्ज किया जाये।
388. मणि मोहन, मेंढरमार – जो ई. आई. ए. रिपोर्ट में गलती है। कोयला खोदने से जो हमको नुकसान होगा , उसके लिये मैं कंपनी का विरोध करुगा।
389. खिरोद, बायसी कालोनी – इस क्षेत्र में कोयला उत्खनन से पर्यावरण प्रदूषित होगा, वाहन चलेंगे जिससे धूल उड़ेगा, हमारा तालाब में धूल होगा, जो जलीय जीव हैं वो

नष्ट हो जायेंगे। इनको इतने बड़े हाथी नहीं दिखाई दिया है। यहॉ पर आप लिखे हैं कि रोजगार मिलेगा, लखनपुर में खुली खदान खुली है उसमें रोजगार नहीं दिया गया है खदान से जो प्रदूषण होगा इसके लिये मैं विरोध करता हूॅ।

390. जगन्नाथ विश्वास, बायसी कालोनी – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
391. डलासियुस कुजूर, पतरापारा – मैं एक इंच भी जमीन डी. बी. पॉवर को नहीं दूंगा। मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
392. विजय बाछाड़ा, मेंढरमार – अगर पारिस्थिक तंत्र. ही नष्ट हो जायेगा तो विकास कहॉ से होगा।
393. कुलदीप कुमार, मेंढरमार – अगर यहॉ कोल ब्लाक आयेगा तो पर्यावरण नष्ट हो जायेगा, स्कूल कालेज भी नष्ट हो जायेगा, सब जगह काला हो जायेगा इसलिये मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
394. प्रेमसाय, पतरापारा – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
395. गोविद कुमार चौहान, पतरापारा – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
396. आनंद सबीरखेस, धर्मजयगढ़ – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ। इससे सभी को बहुत नुकसान होगा, किसानों को भी नुकसान होगा।
397. प्रेमसागर, बेहरापारा – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
398. संदीप मारकस एक्का, पतरापारा – एक पेड़ दस बच्चें के सामान है, मै इसका बहुत विरोध करता हूॅ।
399. राजकुमार मिश्रा, धर्मजयगढ़ – मैं श्री माल्या जी को बधाई देना चाहता हूॅ कि उनके मार्गदर्शन करने के कारण आज डी. बी पॉवर को अपना पांव खींचना पड़ा और नगर पंचायत को नहीं खोदेंगे, अब व्यापारी आश्वासन दे रहा है कि यहॉ खोदेंगे और यहॉ नहीं खोदेंगे। कंपनी को अपने वाद में अगर अंतर किया गया है तो उसे पहले वहॉ जाकर आवेदन करना चाहिए, एक डीबी पॉवर की कंपनी ने कहा कि वह पहले एस. ई. सी. एल. के कर्मचारी थे, जिन्होंने आश्वासन दिया है आज यहॉ काम कर रहे हैं और कल कहीं और काम करेंगे तो ऐसे आश्वासन का क्या महत्व है।
400. नेहरु राम चौहान, धर्मजयगढ़ – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
401. संतोष प्रधान, धर्मजयगढ़ – जो भी कंपनी लगी है वे पेड़ों को फिर से वापस नहीं ला सकते, ये फिर एक छोटे से पौधा लगायेंगे और हरिहर अभिया न चलायेगें मैं इस कोल ब्लाक का विरोध करता हूॅ।
402. मिराज खान, धर्मजयगढ़ – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
403. प्रशांत सरकार, धर्मजयगढ़ – डी. बी. पॉवर के खुलने से जल, ध्वनि वायु प्रभावित होगा। मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
404. हरिचरण सारथी, धर्मजयगढ़ – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ। क्योंकि यहॉ के साफ सुथरा जलवायु में परिवर्तन हो जायेगा, यहॉ प्रदूषण हो जायेगा। इसलिये मैं अनुरोध करता हूॅ कि यह कंपनी न खोला जाये।
405. हरिदास हलधर, मेंढरमार – कंपनी क्या करेगा प्रदूषण फैलायेगा।
406. अधिर कुमार विश्वास, धर्मजयगढ़ – हमारे गांव के नाम को धरम कालोनी नाम लिखकर विकृत किया जा रहा है, इसे धर्मजयगढ़ कालोनी ही लिखा और पढ़ा जाये। यहॉ के पर्यावरण की जो स्थिति है, डी. बी. पॉवर को सोचना चाहिए कि वे धर्मजयगढ़ कालोनी में क्यों आया है ? यह कंपनी कोई जमीन नहीं छोड़ेगा, इसलिये मैं इस कंपनी का विरोध करता हूॅ। आज तक हमको कोई बुनियादी सुविधा

नहीं मिला है शासन को इसका को उसी समय अध्ययन करना था, कि इस क्षेत्र के नीचे में कोयला है उसके बाद हमें यहॉ बसाता, अब हमें फिर से विस्थापित नहीं होना है।

407. एडविन एक्का, धर्मजयगढ़ – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।

408. मुकुल दास महंत, धर्मजयढ़ – पूर्व में भी हमने जिला प्रशासन को लिख कर दिया था, कि आज के बाद यहॉ और कारखाने नहीं लगाया जाना चाहिए, लेकिन जनता को लूटा जा रहा है यह क्षेत्र पांचवी अनुसूची में आता है, इस जमीन को खरीद बिक्री नहीं किया जा सकता है। हम आमरण अनशन में बैठेंगे और चक्का जाम करेंगे।

409. मनोरंजन, मेंढरमार कालोनी – मेरा सब्जी होता है उसको बाजार में बिक्री कर रहा हूॅ।

410. आशिष विश्वास, दुर्गापुर कालोनी – आज जो जन सुनवाई कराई जा रही है वह पूरी तरह भ्रामक और झूठा है, यहॉ आये दिन हाथी आते हैं और लोगों के घर और जानमाल का नुकसान करते हैं, अगर कोल खदान खोला जायेगा तो यहॉ अपूरणीय क्षति होगी, ध्वनि, जल एवं वायु प्रदूषण होगा, ई. आई. ए. में लिखा है कि यहॉ कोई जानवर नहीं पाये जाते जबकि हाथी यहॉ पाये जाते हैं।

411. गगन मंडल, मेंढरमार – मैं यहॉ खेती करता हूॅ और एक लाख रुपये का हर साल फसल बेचता हूॅ। आज डी.बी. पॉवर ने यह तथ्य रखा है कि नगर पंचायत को छोड़ दिया जायेगा और ग्राम पंचायत को नहीं छोड़ा जायेगा, कंपनी यहॉ राजनीति लगा रही है हमको शहर के लोगों से लड़ाना चाहती है यहॉ ऐसा साधन बनाना चाहिए कि भूमि स्वामि को फायदा हो। मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।

412. नवीन हलदार, बायसी कालोनी – ऐसा कौन सा जगह है जहॉ कंपनी के खुलने से प्रदूषण नहीं हुआ है जहॉ भी कंपनी आती है वहॉ प्रदूषण होता ही है, छ.ग. से पूरे देश में धान जाता था, आज कुकुरमुत्ते की तरह यहॉ कंपनी फैल रहा है कुकुरमुत्ते फैल जायेंगे तो धान कहॉ से होगा।

413. गगन मंडल, मेंढरमार – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।

414. आनंद कुमार तिग्गा, दुर्गापुर – कंपनी को दुर्गापुर का कितना जमीन दिया गया है उसकी जानकारी नहीं दी गई है। आदिवासियों को पता ही नहीं चला, हिन्दी में लिखा है कि 618000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाना बताया गया है। जमीन कहॉ का कितना है इसकी जानकारी नहीं है। कोयला खुदेगा तो पर्यावरण खराब होगा, वायु प्रदूषण होगा, लोगों का फेफड़ा खराब हो जायेगा, शुद्ध हवा नहीं मिलेगा तो बीमारी फैलेगा, इस क्षेत्र के लोग बीमार बहुत कम पड़ते हैं, जहां प्रदूषण अधिक होता है वहॉ बिमारी फैलता है। यह जमीन कहॉ है इसकी जानकारी दी जाये। पुर्नवास के बारे में जानकारी दी जाये। इस एकड़ जमीन के नीचे 20 करोड़ की जमीन है, तो हम 8 लाख में क्यों दें, हमको सब्सीडी देकर जमीन कोयला खोदने दिया जाये। यह कानून बनाया जाये और किसानों को इसका बेनिफिट मिलना चाहिए, कंपनी में हजारो आदमी का जमीन छीना जायेगा, जो इसका मुआवजा है, उड़ीसा में 25 लाख दिया गया है, महाराष्ट्र में 45 लाख दिया गया है। हमारी जमीन है हमको उचित मुआवजा दिया जाये।

415. राकेश विश्वास, बायसी कालोनी – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।

416. सतोष मंडल, मेडरमार – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ। कंपनी कहता है कि हमको काम देगी हम कभी गुलामी नहीं करना चाहते हम अपना जमीन नहीं देंगे।

417. जयसिंह, धर्मजयगढ़ – डी.बी ग्रुप हटाये और पर्यावरण बचायें।
418. जामनी मंडल, मेंडरमार कालोनी – इस जन सुनवाई को निरस्त किया जाये, भारत को भ्रष्टाचार में 82 स्थान पर रखा गया है, जब हम एक हो जायेंगे तो किसी में हिम्मत नहीं है कि हमारे पर्यावरण को छीन सके।
419. रविन्द्र, धर्मजयगढ़ – विनाष नहीं विकाष चाहिए, पूंजीवाद नहीं साम्यवाद चाहिए, बंगाली विस्थापितों को 90 लोगों की जमीन डी. बी. पॉवर में फंसा है उनको आज दिनांक तक भू–स्वामि अधिकार पत्र नहीं दिया गया है। पर्यावरण विभाग द्वारा आज जो जन सुनवाई कराई जा रही है यह नियम विरुद्ध है। ई. आई. ए में भ्रामक बातें लिखी है। नगर पंचायत के लगभग 10 वार्ड इससे प्रभावित हो रही है, मतदाता 10000 है और उनकी जनसंख्या 16000 है वे प्रभावित होंगे। पिछले दिनों जो बैठक हुआ था, उसमें नगरीय क्षेत्र के 350 एकड़ जमीन को छोड़ा जायेगा, भारत के संविधान में नगरीय और ग्रामीण लोगों को एक समान अधिकार है, अगर शहर को छोड़ा जा रहा है तो ग्रामीण क्षेत्र को भी छोड़ा जाये। कंपनी के बगल में वेदांता ग्रुप की खदान प्रस्तावित है, खनिज शाखा के द्वारा जो जानकारी खनिज शाखा को 2007–08 में पत्र लिखा गया था, उसका जिक्र ई. आई. ए. में नहीं है। माननीय ओम प्रकाश राठिया, संसदीय सचिव के द्वारा आपत्ति पत्र माननीय मनमोहन सिंह, माननीय रमन सिंह, और विपक्ष के नेता लाल कृष्ण अडवाणी जी को लिखा है कि आबादी क्षेत्र को लीज क्षेत्र हेतु नहीं दिया जाये।
420. रवि कुमार, मेंढरमार – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
421. विनय मंडल, मेंढरमार कालोनी – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
422. रविशंकर सरकार, धर्मजयगढ़ कालोनी – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
423. जीता मिश्र पाल, बायसी – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
424. शंकर हलधर, प्रेमनगर कालोनी – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
425. निशिकांत मंडल, धर्मजयगढ़ – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
426. फेलुस कुजूर, बेहरापारा – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ। इससे पर्यावरण का नाश होगा।
427. अशोक राय ,बायसी कालोनी – आज यह खेत मेरी है मैं अपने खेत का मालिक हूॅ, कंपनी कल जमीन ले लेगा तो मैं नौकर हो जाऊंगा।
428. दानियल तिर्की, धर्मजयगढ़ – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
429. एन. खान, धर्मजयगढ़ – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
430. प्रभात विश्वास, धर्मजयग्ढ़ – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
431. संदीप बड़ा, पतरापारा – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
432. संजय मजूमदार, बायसी कालोनी – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
433. अशोक कुजूर, पतरापारा – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
434. नंदन कुमार मंडल, बायसी कालोनी – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
435. सुदीप सरकार, धरम कालोनी – कपंनी आने से पर्यावरण प्रदूषण होगा, लोगों का शोषण होगा। मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
436. दुलार, बायसी कालोनी – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
437. जोसेफ बड़ा, पतरापारा – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ।
438. सुबोध मिंज, धर्मजयगढ़ – मैं इस कम्पनी का विरोध करता हूॅ। कंपनी से यह बात कहना चाहता हूॅ कि वे बताये हैं कि यहॉ 8वीं पास हैं, मैं एजूकेशन मास्टर ऑफ

डिग्री है। मैं अच्छा अंग्रेजी बोलता हूॅ, वे मुझे मैनेजर बनाऊंगा बोलते हैं, मैं मैनेजर नहीं बनना चाहता, मेरे पिता किसान हैं मैं उसी में खुश हूॅ।

लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण क्षेत्रीय अधिकारी एवं अतिरिक्त जिलादण्डाधिकारी द्वारा पढ़कर सुनाया गया।

लोक सुनवाई के दौरान जनता द्वारा उठाये गये मुद्दों के संबंध में उद्योग कंपनी प्रतिनिधि श्री माधव मुकुंद ओझा, असिस्टेंट वाईस प्रेसीडेंट, श्री दीप काबरा, सीनियर वाईस प्रेसीडेंट एवं डॉ. रतन, ई. आई. ए. कंसलटेंट ने परियोजना से होने वाले होने प्रदूषण के नियंत्रण हेतु लगाये जाने वाले आधुनिक उपकरणों, ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन, जल आपूर्ति, सामुदायिक विकास तथा लोक सुनवाई के दौरान उठाये गये समस्त बिंदुओं पर बिन्दुवार अपना पक्ष रखा।

सुनवाई के दौरान कई लोगों द्वारा लिखित अभ्यावेदन भी प्रस्तुत किया गया। संपूर्ण लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी की गई ।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा रात्रि 8.15 बजे उपस्थित लोगों के सुझाव, आपत्ति, टीका–टिप्पणी पर कंपनी प्रतिनिधि की ओर से जवाब आने के पश्चात् लोक सुनवाई के समाप्ति की घोषणा की गई।

(जे. लकड़ा)
क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायगढ़

(एस. के. शर्मा)
अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)

उद्योग प्रतिनिधि श्री माधव मुकुंद ओझा, सहायक प्रबंधक का कथन –

1. कंपनी सभी धर्मों का सम्मान करती हैं, और सभी चर्च, मंदिर मस्जिद और पुरातत्व के चीजों को कोई नुकसान नहीं पहुॅचाया जायेगा।
2. पुर्नवास के संबंध में भ्रम है, हमने मकान बनाने के लिये 0.1 जो लिखा है वह साढ़े चार फुट होता है। 3.24 लाख रुपये के में मकान बनाया जायेगा। मकान क्रेक नहीं हो इसका ध्यान रखा जायेगा।
3. जो बचा हुआ माईनिंग क्षेत्र है उसी में सब कुछ करा जायेगा।
4. 600 फूट की गहराई हमारी 30 साल बाद आयेगी, वर्तमान में कोई तालाब और बोर नहीं सुखेंगे।
5. सी एस. आर. में प्रतिवर्ष लाभ का 5 प्रतिशत खर्च किया जायेगा।
6. हाथी के बारे में हमारा जो कोर जोन है उसमें हाथी नहीं आता है।